छ.रा.विद्युत कम्पनी मर्या. की गृह पत्रिका

सकल्प

सितम्बर-अक्टूबर 2011 वर्ष - 07 अंक - 11

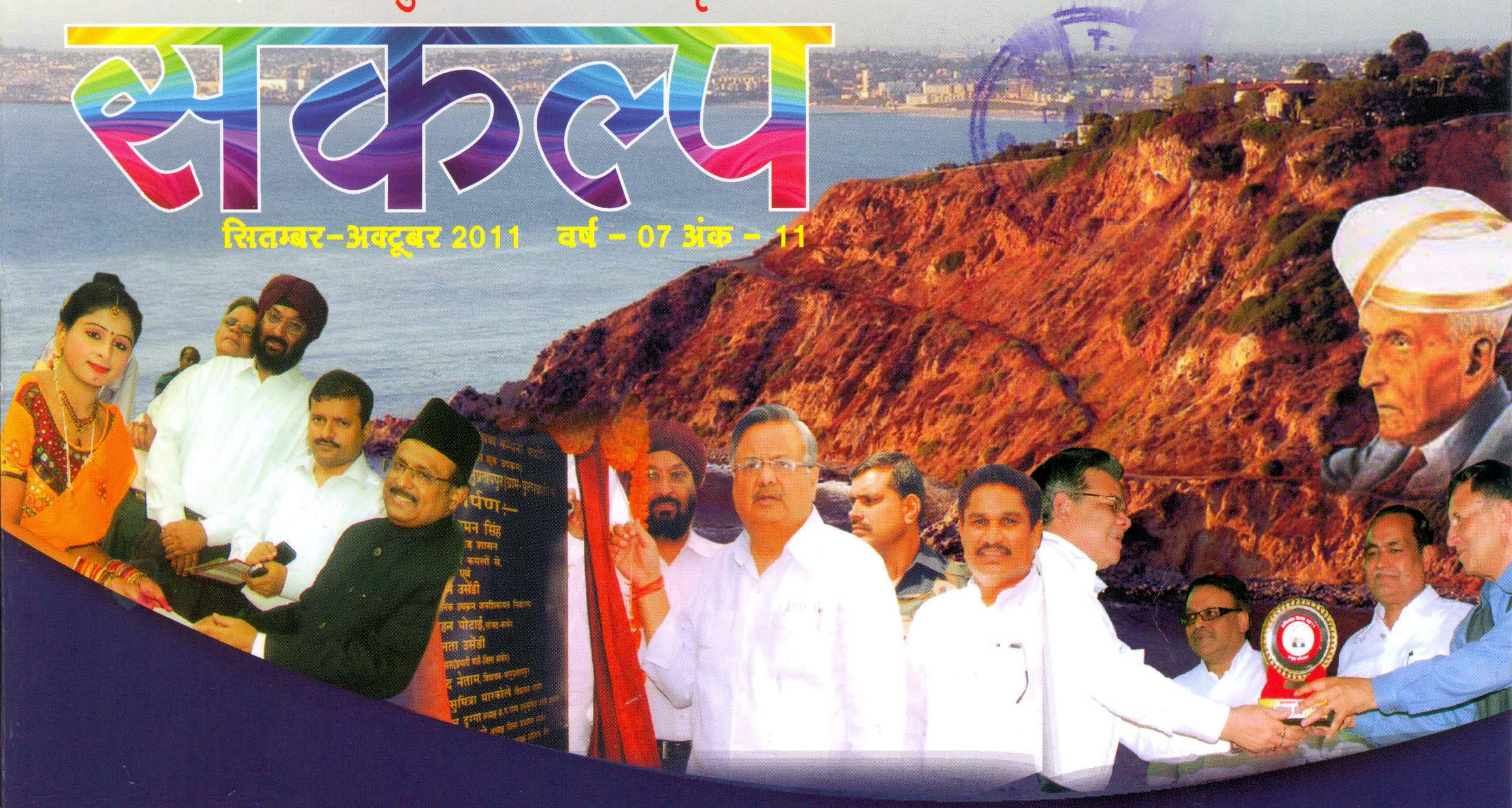

EYE ON DEVELOPMENT OF CHHATTISGARH

छ.रा. विद्युत कम्पनी मर्या.

प्रदेश में विद्युत प्रगति का पटल

	नवम्बर 2000	अक्टूबर 2011
ताप विद्युत क्षमता	1240 मेगावॉट	1786 मेगावॉट
जल विद्युत क्षमता	120 मेगावॉट	138.70 मेगावॉट
कुल ताप, जल विद्युत क्षमता	1360 मेगावॉट	1924.70 मेगावॉट
क्षमता वृद्धि	---	564.70 मेगावॉट
अति उच्चदाब केन्द्रों की संख्या	27 नग	70 नग
अति उच्चदाब लाइनों की लंबाई	5205 सर्किट कि.मी.	8268 सर्किट कि.मी.
33/11 के.व्ही. उपकेन्द्रों की संख्या	248 नग	693 नग
33 के.व्ही. लाइनों की लंबाई	6988 सर्किट कि.मी.	15074 सर्किट कि.मी.
11/0.4 के.व्ही. उपकेन्द्रों की संख्या	29692 नग	70803 नग
11 के.व्ही. लाइनों की लंबाई	40556 कि.मी.	67800 कि.मी.
निम्न दाब लाइनों की लंबाई	51314 कि.मी.	119896 कि.मी.
केपेसिटर स्थापित	94 एमव्हीआर	934 एमव्हीआर
विद्युतीकृत ग्रामों की संख्या	17910	19180
विद्युतीकरण का प्रतिशत	91.00	97.14
विद्युतीकृत मजराटोलों की संख्या	10375	23791
विद्युतीकृत पम्पों की संख्या	72400	294724
एकलबत्ती कनेक्शन	630389	1482385

संकल्प

छ.रा. विद्युत कम्पनी मर्या. की गृह पत्रिका

सितम्बर-अक्टूबर वर्ष - 07 अंक-11

संरक्षक

श्री पी. जॉय उम्मेन	:	अध्यक्ष
श्री जी.एस. कलसी	:	प्रबंध संचालक (होल्डिंग कं. मर्या.)
श्री व्ही.के. श्रीवास्तव	:	प्रबंध संचालक (उत्पादन कं. मर्या.)
	:	प्रबंध संचालक (ट्रेडिंग कं. मर्या.)
श्री जी.एस. कलसी	:	प्रबंध संचालक (ट्रांसमिशन कं. मर्या.)
श्री सुबोध कुमार सिंह	:	प्रबंध संचालक (वितरण कं. मर्या.)

सलाहकार सम्पादक

श्री कैलाश नारनवरे : महाप्रबंधक (मा. सं.)

सम्पादक

श्री विजय कुमार मिश्रा :............जनसम्पर्क अधिकारी

सहयोग

श्री जाबीर मोहम्मद कुरैशी

छायाकार

श्री संजय टेम्बे

पता

सम्पादक - संकल्प

जनसम्पर्क अधिकारी

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत होल्डिंग कं. मर्या.

डंगनिया, रायपुर (छ.ग.)

संकल्प में प्रकाशित लेख में व्यक्त विचार लेखकों के हैं,
सम्पादक मण्डल उससे सहमत हों, यह जरूरी नहीं है.
किसी प्रकार के विवाद के लिए न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र रायपुर होगा .

विषय सूची

सम्पादकीय ---------- 02
मुख्यमंत्री द्वारा ---------- 03
पॉवर ट्रांसमिशन ---------- 03
श्री जनार्दन कर ---------- 04
छ.ग. पॉवर होल्डिंग कंपनी ---------- 05
महात्मा गांधी ---------- 05
छ.ग. पॉवर वितरण ---------- 06
उत्कृष्ट अभियंता ---------- 06
छ.ग. पॉवर ट्रेडिंग कंपनी ---------- 07
श्री वर्मा एवं श्रीमती सक्सेना ---------- 07
छ.ग. पॉवर उत्पादन कंपनी ---------- 08
कोरबा पश्चिम स्थित ---------- 08
पॉवर कम्पनी के एमडी ---------- 09
पॉवर कंपनी में ---------- 09
डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ---------- 10
आदर्शिनी महिला मंडल ---------- 10
कोरबा पूर्व के ---------- 11
उपभोक्ता सेवा में सुधार ---------- 12
कोरबा पूर्व में धूम-धाम ---------- 12
वितरण कंपनी के ---------- 13
विद्युत पारेषण कंपनी ---------- 13
ताप विद्युत परियोजना ---------- 14
प्रेरणा महिला मंडल ---------- 15
कोरबा पूर्व में सदभावना ---------- 15
कोरबा पूर्व में ईद ---------- 16
कोरबा पूर्व में शिक्षक ---------- 16
कर्मचारी राज्य ---------- 17
कोरबा पूर्व में हिन्दी ---------- 17
कोरबा पूर्व में ओजोन ---------- 18
आदर्शिनी महिला मंडल ---------- 18
राजनांदगांव क्षेत्र में ---------- 19
अम्बिकापुर क्षेत्रीय ---------- 19
परिचयावली ---------- 20
डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ---------- 20
छत्तीसगढ़ साफ्टबाल ---------- 21
हमारे गौरव ---------- 21
ज्ञानपुरूष ---------- 22
ड्राईवर ---------- 22
चारोंधाम ---------- 22
खण्डा ---------- 23
कविता ---------- 23
बायलर हाइड्रोलिक टेस्ट ---------- 24
चिट्ठी आई है ---------- 24

E.I.T.C. RAIPUR (C.G.) ... LTD.

संपादकीय.........

प्रदेश में सार्थक हुआ प्रकाश पर्व–दीपोत्सव

जनमन को आलोकित करने वाला महापर्व है प्रकाश पर्व– दीपोत्सव। विगत अनेक वर्षो की भांति इस वर्ष भी यह पर्व यथानाम तथागुण को भी उजागर करता रहा, और प्रदेशवासियों के लिए उत्साह, उल्लास और उमंग से परिपूर्ण रहा। प्रकाश पर्व की रात्रि में विद्युत की बढ़ी हुई मांग को पूरा करने में सफल रहे विद्युत कर्मी। इस पॉच दिनी पर्व में बिजली की पूछ परख सर्वाधिक बढ़ जाती है। इसका आकलन कर पॉवर उत्पादन, वितरण, पारेषण कंपनी ने अपनी तैयारी को समय पूर्व पुख्ता कर लिया था, फलतः प्रकाश पर्व पर अंधकार का साया कहीं भी अपना भीषण रूप दिखाने में असफल रहा। इसे पॉवर कंपनी का प्रताप की संज्ञा देना श्रेष्ठ कार्य को श्रेष्ठ नाम देना होगा।

प्रदेश भर में सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति करने, विद्युत विषयक शिकायतों का शीघ्रातिशीघ्र निवारण करने हेतु विशेष शिकायतों केन्द्रों की बड़ी संख्या में स्थापना की गई। ऐसी पूर्व तैयारी एवं सुनिश्चित योजना से मैदानी अमला प्रकाश पर्व पर किसी भी प्रकार की चुनौतियों से जुझने की ताकत–आत्मविश्वास से लबालब रहा। इस संदर्भ में कहा जा सकता है कि प्रकाश पर्व जैसे महापर्व विद्युत कर्मियों की क्षमताओं को परखने और प्रदर्शित करने के पर्व होते है।

अंधकार को चीरकर प्रकाश की ओर अनवरत प्रदेश को आगे बढ़ाने में रत विद्युत कर्मियों–अधिकारियों की इस कामयाब कोशिश को सराहते हुए यह लिखना उचित होगा कि ''जिंदगी तब बेहतर होती है जब आप खुश रहते हैं लेकिन जिंदगी तब बेहतरीन होती है जब आपकी वजह से लोग खुश रहते है''।

लोगों की खुशी और विकास का एक आदर्श पैमाना विद्युत की खपत की दर को भी पूरी दुनिया में माना जाता है। इस पैमाना से जब छत्तीसगढ़ को मापा जाता है तो राज्य गठनोपरांत प्रदेश में सम्पन्न हुए – 11 वें प्रकाशोत्सव में यह बात भी उभर कर आती है कि विद्युत से विकास का गढ़ बनता जा रहा है छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ में प्रति व्यक्ति बिजली की खपत बीते एक दशक में पॉच गुना अधिक परिलक्षित हुई है। उपभोक्ताओं की संख्या भी 18 लाख से बढ़कर 33 लाख तक जा पहुंची है ।

तेज वृद्धि के ऐसे चमत्कारी दौर में प्रगति की गति को बढ़ाते हुए कोरबा पश्चिम ताप विद्युत परियोजना विस्तार चरण तीन की इकाई का 23 सितम्बर को तथा मड़वा ताप विद्युत परियोजना की पहली इकाई का बायलर हाइड्रोलिक टेस्ट 05 अक्टूबर को सफलता पूर्वक किया गया। भविष्य के प्रकाशोत्सव को और बेहतर होने का यह स्पष्ट संकेत है। इसे अन्य शब्दों में कहे तो विद्युत कर्मियों द्वारा रोपे जा रहे पौधे का पेड़ के रूप में विकसित होकर पुष्पित –पल्लवित होने का वक्त अब निकट आ गया। यह वक्त संदेश दे रहा है–

डाक टिकट की तरह बनिए।

मंजिल पर जब तक न पहुंच जाएं, उसी चीज पर जमे रहिए।

विजय मिश्रा

मुख्यमंत्री द्वारा 132/33 के.व्ही. का नया उपकेन्द्र भानुप्रतापपुर में लोकार्पित

564 गॉवों के उपभोक्ता होंगे लाभान्वित

छत्तीसगढ़ राज्य में विद्युत अधोसंरचना का विस्तार तेजी से किया जा रहा है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुये प्रदेश को एक और अति उच्चदाब विद्युत उपकेन्द्र की 30 अक्टूबर 2011 को सौगात मिली। इस तरह प्रदेश में अति उच्चदाब उपकेन्द्रों की संख्या अब 70 हो गई है, जबकि राज्य गठन के समय इस क्षमता के केवल 27 उपकेन्द्र ही क्रियाशील थे। छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा माननीय मुख्यमंत्री डॉ0 रमन सिंह के निर्देशानुसार आदिवासी बाहुल्य एवं लोवोल्टेज वाले क्षेत्रों को प्राथमिकता के साथ चिन्हित कर वहॉ नये उपकेन्द्रों का निर्माण किया जा रहा है। इसी कड़ी में 20 करोड़ की लागत से भानुप्रतापपुर के उत्तरवाही ग्राम में नवनिर्मित 132/33 केव्ही क्षमता के उपकेन्द्र का लोकार्पण माननीय मुख्यमंत्री डॉ0 रमन सिंह जी के करकमलों से हुआ। इस उपकेन्द्र के साथ जुड़ी हुई 40 किलोमीटर लम्बी अतिउच्चदाब लाईन का भी निर्माण किया गया है।

ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री जी.एस.कलसी ने लोकार्पित उपकेन्द्र के बारे में बताया कि इस उपकेन्द्र से 654 ग्रामों के लगभग 40138 उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। इसमें 40 एमव्हीए क्षमता का ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। इस उपकेन्द्र को 40 किलोमीटर लम्बी अतिउच्चदाब लाईन के माध्यम से कांकेर–भानुप्रतापपुर लाईन से जोड़ा गया है। पूर्व में इन आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों को कांकेर तथा दल्लीराजहरा के 132 के.व्ही. उपकेन्द्र से 33 के.व्ही. लाईन के माध्यम से विद्युत प्रदाय किया जाता था। उक्त 33 के.व्ही. फीडर की लंबाई अंतिम छोर तक लगभग 120 कि.मी. होने से इन क्षेत्रों में कम वोल्टेज की गंभीर समस्या बनी हुई थी साथ ही कृषि कार्य में प्रयुक्त पम्पों का संचालन सुचारू रूप से नहीं हो पाता था। अब 33 केव्ही लाईन की दूरी कम हो जायेगी जिससे लाईन लॉस में कमी आयेगी, लोवोल्टेज में सुधार होगा, कृषि पम्पों, छोटे बड़े उद्योगों को समुचित वोल्टेज पर बिजली की आपूर्ति हो सकेगी। नवनिर्मित उपकेन्द्र के लोकार्पण समारोह में उपस्थित माननीय मंत्री श्री विक्रम उसेंडी एवं माननीय प्रभारी मंत्री जिला कांकेर सुश्री लता उसेंडी जी के साथ उपस्थित मान. श्री सोहन पोटाई सांसद एवं क्षेत्रीय विधायक श्रीमती सुमित्रा मारकोले, श्री ब्रम्हनंद नेताम और अन्य जनप्रतिनिधियों का स्वागत प्रबंध निदेशक श्री कलसी सहित इस अवसर पर पारेषण कंपनी के मुख्य अभियंता सर्वश्री विजय सिंह, डब्लू.आर.वानखेड़े, विजय पटेल एवं अन्य अधिकारियों ने किया।

पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी से सेवानिवृत्त कर्मियों की भावभीनी विदाई

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी से माह अक्टूबर 2011 को अधिवार्षिकी आयु पूर्ण करने वाले सेवानिवृत्त कर्मी श्री पतित पावन मल्ल, निज सहायक एवं श्री चितराम साहू, वाहक चालक को एक सादे समारोह में भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री जी.एस. कलसी ने सेवानिवृत्तजनों को प्रमाण पत्र, घड़ी, धनादेश प्रदान कर उनके सपरिवार उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में ट्रेडिंग कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री व्ही.के.श्रीवास्तव एवं अन्य अधिकारी–कर्मचारी उपस्थित थे।

श्री जनार्दन कर पॉवर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक नियुक्त

छत्तीसगढ़ राज्य शासन द्वारा 31 अक्टूबर 2011 को जारी आदेशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक के पद पर श्री जर्नादन कर की पदस्थापना की गई है। वे अब तक एन.ई.एस.सी.एल. में सी.ई.ओ. के पद पर नई दिल्ली में सेवारत थे। बिजली घरों की स्थापना एवं संचालन, मानव संसाधन, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट का आपको दीर्घ अनुभव है। उन्होंने अपनी नई पदस्थापना पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही छत्तीसगढ़ को विद्युत के मामलें में आत्मनिर्भर बनाने की बात दोहरायी।

01 अप्रेल 1956 को भुनेश्वर में जन्मे श्री कर को अपने पिता श्री एन.सी. कर एवं माता श्रीमती स्वर्णलता कर से सुसंस्कार और जीवन में अनवरत् आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली। आपने वर्ष 1971 में हाईस्कूल सर्टिफिकेट की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्त्तीण की तथा आगे वर्ष 1978 में सम्बलपुर यूनिवर्सिटी उड़ीसा के अधीन राउरकेला इंजीनियरिंग कालेज (वर्तमान में एनआईटी) से बी.एस.सी. (आनर्स) इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की उपाधि प्राप्त की। अपने अध्ययन के दौरान आप पूरे पॉच वर्ष तक आनर्स होल्डर रहे।

अध्ययन की पूर्णता के उपरांत आपने अपने कैरियर की शुरूआत हिन्दुस्तान ऐयरोनाटिक्स लिमिटेड से 1978 से की। इसी क्रम में आपका चयन एनटीपीसी में कार्यपालन अभियंता (ट्रेनी) के पद पर नई दिल्ली में हुआ। प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरांत आपकी पदस्थापना एनटीपीपी कोरबा में की गई जहॉं वर्ष 1979 से वर्ष 1989 तक प्रोजेक्ट मैनेजर के रूप में कार्यरत रहे। यहॉं लगभग 10 वर्षों की अपनी सफलतम सेवा के दौरान आपने 2100 मेगावाट क्षमता की कुल छः इकाईयों को निर्धारित समय में स्थापित–क्रियाशील करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया।

वर्ष 1989 से 1998 तक एनटीपीसी गाजियाबाद में उपमहाप्रबंधक के पद पर रहते हुये आपने 210 मेगावाट की चार इकाईयों को पूर्ण कराया। वर्ष 1998 से 2004 तक एनटीपीसी के दादरी प्रोजेक्ट में तथा वर्ष 2004 से 2006 तक कहलगांव में आप अतिरिक्त महाप्रबंधक रहे तथा इस दौरान आपने 500 मेगावाट की तीन इकाईयों के निर्माण कार्य में प्रमुख भूमिका का निवर्हन किया। आगे वर्ष 2007 में महाप्रबंधक के पद पर पदोन्नति उपरांत पीआईई हेडक्वार्टर पटना में पदस्थ किये गये। यहॉं रहते हुये आपने भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय के विशेष अभियान के तहत् उत्तरप्रदेश, झारखण्ड तथा दामोदर वेली कार्पोरेशन की कार्यनिष्पत्ति को बढ़ाने के लिये अपना उत्कृष्ट योगदान दिया।

आगे एनटीपीसी एवं उ.प्र. राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के संयुक्त उपक्रम में सीईओ के पद पर आपकी पदस्थापना हुई । इस दौरान इलाहाबाद में जुलाई 2008 से फरवरी 2009 तक अपनी उल्लेखनीय सेवायें आपने दी। आगे आपका स्थानांतर एनटीपीसी कोरबा में हुआ। जहॉं आपके नेतृत्व में 2100 मेगावाट क्षमता के विद्युत संयंत्रों द्वारा सर्वाधिक 97.61 प्रतिशत पीएलएफ प्रदर्शित किया गया। वित्तीय वर्ष 2009–10 के दौरान एन.टी.पी.सी. के समस्त केन्द्रों की तुलना में इस सर्वोच्च स्तर पर पहुंचने वाला यह एकमात्र केन्द्र रहा है। यहॉं रहते हुये निर्माणाधीन 500 मेगावाट की एक नई इकाई के कार्य में तेजी लाने का श्रेय भी आपको प्राप्त है । आगे 01 जून 2010 में आपको कार्यपालक निदेशक के पद पर कोरबा में ही पदोन्नति प्राप्त हुई। नवम्बर 2010 में कार्यपालक निदेशक (बीएआरएच) में आप पदस्थ हुये । इसी क्रम में आगे जुलाई 2010 में एनईएससीएल में आपकी पदस्थापना सीईओ के पद पर हुई।

देश की महारत्न संस्था एनटीपीसी में लगभग 30 वर्ष से अधिक अपनी सफल सेवायात्रा के दौरान आपने दिल्ली, हैदराबाद, गुड़गांव के अलावा यू.के., चीन, यूरोप में भी विद्युत विषयक प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आपको ऊर्जा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु अनके पुरस्कार प्राप्त हुये हैं। अनेक राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण–संगोष्ठि में आपने सक्रिय भागीदारी दी है।

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर होल्डिंग कंपनी के प्रबंध निदेशक बने श्री पुरूषोत्तम लेखराज विधानी

सिविल संकाय सहित प्रशासनिक कार्यो में दक्ष कार्यपालक निदेशक श्री पुरूषोत्तम लेखराज विधानी को छग. शासन के ऊर्जा विभाग द्वारा जारी आदेशानुसार 02 नवम्बर 2011 से पॉवर कंपनी में प्रबंध निदेशक होल्डिंग के पद पर नियुक्त किया गया। अपनी नियुक्ति के लिए राज्य शासन के प्रति आभार प्रदर्शित करते हुए उन्होने प्रदेश एवं कंपनी के हित तथा कर्मियों के हित संवर्धन विषयक कार्यों को अपनी प्राथमिकता बताया।

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर होल्डिंग कंपनी के नवनियुक्त प्रबंध निदेशक श्री पुरूषोत्तम लेखराज विधानी का जन्म 19 जनवरी 1952 को अजमेर में हुआ। अपनी माता श्रीमती वींझी विधानी एवं पिता श्री लेखराज विधानी से मुदृभाषिता एवं सुसंस्कार के संग–संग जीवन में निरंतर आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा आपको मिली। प्रारंभ से ही मेधावी रहे श्री विधानी ने वर्ष 1968 में हायर सेकेण्डरी की परीक्षा खण्डवा से उत्रीर्ण करने के उपरान्त बी.ई.(सिविल) की उपाधि वर्ष 1973 में शासकीय आभियांत्रिकीय महाविद्यालय, इंदौर से प्राप्त की। आपने अपने कैरियर की शुरूआत 25 नवम्बर 1973 को अमरकंटक ताप विद्युत गृह मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल, चचाई से ग्रेजुएट ट्रेनी के रूप में की ।

वर्ष 1973 से 1982 तक आपको सहायक अभियंता के पद पर अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई और सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारणी में कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ। इसी क्रम में फरवरी 1982 से 1997 तक कार्यपालन अभियंता के पद पर बोधघाट विद्युत परियोजना बारसूर, मुख्यालय जबलपुर और टोंस जल विद्युत गृह सिलपरा में सेवा देने के उपरान्त आपको वर्ष 1998 में उपसचिव के पद पर मुख्यालय जबलपुर में पदस्थ किया गया । वर्ष 1999 से वर्ष 2001 तक संयुक्त सचिव के पद पर मुख्यालय जबलपुर एवं मुख्यालय रायपुर में पदस्थ रहे। आगे वर्ष 2002 में अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त करते हुये मुख्य अभियंता (सिविल परियोजना) रायपुर के कार्यालय में पदस्थ किये गये। सिविल संकाय के दीर्घकालीन अनुभव का मूल्यांकन करते हुये 01 अगस्त 2006 को मुख्य अभियंता तथा वर्ष जनवरी 2010 से कार्यपालक निदेशक (सिविल परियोजना) के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई।

अपनी सेवायात्रा के दौरान शीर्ष पद पर पहुंचते हुए आपने मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के विद्युत विकास संग ढांचागत कार्यो का बखूबी निर्वहन किया। इस दौरान प्रशासनिक अकादमी मध्यप्रदेश शासन में पर्यावरण संरक्षण व ऊर्जा विकास तथा राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम दिल्ली में विद्युत परियोजनाओं का निष्पादन विषय पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल द्वारा 1990 में उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया था। सौंपी गई चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारियों के निर्वहन संग समाचार पत्र–पत्रिकाओं एवं साहित्य पठन–पाठन तथा राष्ट्रीय धरोहरों और ऐतिहासिक स्थलों के भ्रमण में आपकी विशेष अभिरूचि है।

महात्मा गांधी का कहना था अपनी हिंदी में बात करो

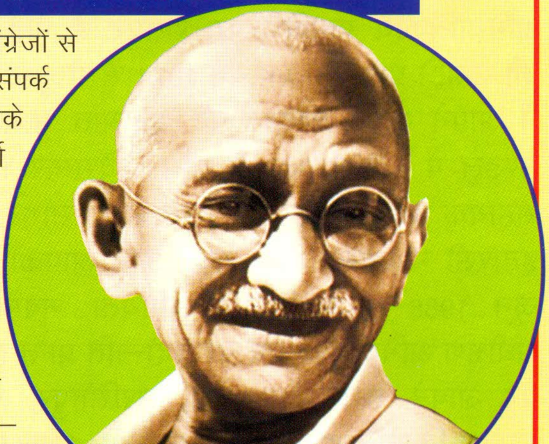

बात उन दिनों की है, जब महात्मा गांधी राष्ट्रसेवा के महान कार्य में लगे हुए थे। अंग्रेजों से देश को आजाद कराने के लिए वे विभिन्न मोर्चो पर कार्य कर रहे थे। इस कड़ी में जनसंपर्क कर अधिकाधिक लोगों को अपने अभियान में शामिल करना उनका प्रमुख लक्ष्य था। इसके लिए गांधीजी राष्ट्र के कई शहरों व गांवों में जाते थे और लोगों को राष्ट्रहितकारी कार्यो से जुड़ने के लिए प्रेरित करते थे। इसी सिलसिले में एक बार गांधीजी दिल्ली की किसी कॉलोनी में रूके हुए थे। एक दिन वे अपने कमरे में आवश्यक कार्य कर रहे थे कि उन्हें किसी की बातचीत सुनाई दी। बातचीत एक लड़के और लड़की के मध्य हो रही थी और अंग्रेजी भाषा में हो रही थी। गांधीजी ने दोनों को भीतर बुलाकर पूछा – तुम कौन हो ? दोनों अचकचा गए क्योंकि गांधीजी उन्हें भलीभांति जानते थे। गांधीजी ने फिर पूछा– बोलो तुम कौन हो ? दोनों ने कहा– बापू हम सगे भाई–बहन है। गांधीजी ने अगला प्रश्न किया– तुम कहां के रहने वाले हो ? उत्तर मिला पंजाब के। गांधीजी बोले– तुम तो पंजाबी और हिंदी दोनों भाषाएं जानते हो। फिर बातचीत में इनका प्रयोग क्यों नहीं करते ? अंग्रेजी के गुलाम बनकर अपने देश की भाषाओं पर तुम अत्याचार कर रहे हा। अंग्रेजी को मैं बुरी भाषा नही मनाता, किंतु उसके लिए मातृभाषा का तिरस्कार करना उचित नहीं है। दोनों भाई–बहन ने बापू से क्षमा मांगी। वस्तुतः विश्व की सभी भाषाएं सम्मान के योग्य हैं, किंतु स्वदेश में मातृभाषा का ही प्रयोग करना चाहिए। राष्ट्र के प्रति निष्ठा का यह एक महत्वपूर्ण उपादान है।

छ.ग.पॉवर वितरण कंपनी के कार्यपालक निदेशक श्री एस.डी.दीवान संचालक नियुक्त

छत्तीसगढ़ शासन के ऊर्जा विभाग द्वारा 02 नवम्बर 2011 को जारी आदेशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी के कार्यपालक निदेशक (संचारण एवं संधारण) श्री एस.डी.दीवान की नियुक्ति संचालक पद पर की गई है। सौंपी गई हर जिम्मेदारियों के सफलतापूर्वक निर्वहन के साथ–साथ समाचार पत्र पत्रिकाओं एवं साहित्य अध्ययन में आपकी विशेष अभिरूचि है।

26 जुलाई 1952 को बिलासपुर जिले के ग्रांम देवरी में जन्में श्री दीवान ने वर्ष 1968 में रायपुर से हायर सेकण्डरी की परीक्षा उत्तीर्ण करने के उपरांत 1973 में शासकीय अभियांत्रिकीय महाविद्यालय रायपुर से बीई इलेक्ट्रिकल की उपाधि प्राप्त की एवं वर्ष 1974 से ग्रेजुएट ट्रेनी के रूप में आपने अपने कैरियर की शुरूआत मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल में छिन्दवाड़ा से की। दिसम्बर 1975 में आप सहायक अभियंता बने एवं छिन्दवाडा, सागर, रायगढ़ एवं इटारसी में पदस्थ किये गये। आगे आपको सेवायात्रा में जून 1988 में कार्यपालन अभियंता, नवम्बर 2001 में अधीक्षण अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई। इन पदों पर आपने छतरपुर,शहडोल, नरसिंहपुर, रायपुर तथा ग्रामीण विद्युतीकरण निगम आर.ई.सी. / आर.पी.डी.ई.पी. में अपनी उल्लेखनीय सेवायें दी। आगे 2005 में आपको अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई और आपकी पदस्थापना मुख्य अभियंता रायपुर क्षेत्र एवं जगदलपुर क्षेत्र में की गई।

कार्य के प्रति लगन एवं निष्ठा के बलबूते वर्ष फरवरी 2010 में मुख्य अभियंता एवं वर्ष सितम्बर 2010 से कार्यपालक निदेशक के शीर्ष पद पर आपको पदोन्नति प्राप्त हुई।

अपनी 37 वर्षीय सेवायात्रा को पूरा करते हुये आपने मुख्य सतर्कता अधिकारी के पद पर बिजली चोरी को नियंत्रित करने के अलावा मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के विद्युत पारेषण, वितरण एवं ग्रामीण विद्युतीकरण से संबंधित कार्यों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है तथा वर्तमान में पॉवर वितरण कंपनी के कार्यपालक निदेशक (संचारण एवं संधारण) के पद पर अपनी सतत् सेवायें देते हुए वितरण कंपनी के संचालक नियुक्त किये गये है।

उत्कृष्ट अभियंता अवार्ड से अलंकृत

विद्युत के क्षेत्र में आपके द्वारा की गई उत्कृष्ट सेवाओं के फलस्वरूप 15 सितम्बर 2011 को भारत रत्न इंजी. मोक्षगुण्डम विश्वेश्वरैया के जन्म दिवस पर रायपुर में आयोजित अभियंता दिवस समारोह में आपको उत्कृष्ट अभियंता अवार्ड से अंलकृत होने का गौरव प्राप्त हुआ। यह सम्मान प्रदेश के महामहिम राज्यपाल श्री शेखर दत जी के करकमलो से खनिज विकास निगम छत्तीसगढ़ के माननीय अध्यक्ष श्री गौरी शंकर अग्रवाल जी की अध्यक्षता में आपको प्रदान किया गया।

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर ट्रेडिंग कंपनी के प्रबंध निदेशक बने डॉ0 शिवप्रसाद शर्मा

वित्त एवं लेखा कार्यो में दक्ष छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर जनरेशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक वित्त डॉ. एस.पी.शर्मा को छग. शासन के ऊर्जा विभाग द्वारा जारी आदेशानुसार 02 नवम्बर 2011 से पॉवर ट्रेडिंग कंपनी के प्रबंध निदेशक पद पर नियुक्त किया गया। उन्होनें इस हेतु शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए प्रदेश को बिजली के मामले में संमृद्ध बनाने को अपनी प्राथमिकता बताया।

नवनियुक्त प्रबंध निदेशक डॉ. शिवप्रसाद शर्मा का जन्म 27 जुलाई 1952 को ग्वालियर (म.प्र.) में हुआ। अपनी माता श्रीमती नर्मदा शर्मा और पिता स्व. श्री मदन लाल जी शर्मा से जीवन में आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा लेते हुए वर्ष 1973 में रसायन शास्त्र में स्नातकोत्तर की उपाधि ''मास्टर ऑफ साइंस'' ग्वालियर से प्राप्त की। तदुपरान्त आपको वर्ष 1979 में रसायन शास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि से विभूषित किया गया।

अपने कैरियर की शुरूआत आपने शिफ्ट केमिस्ट ट्रेनी के रूप में वर्ष 1975 में अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई से की। प्रशिक्षण उपरान्त शिफ्ट केमिस्ट के पद पर आपको चचाई में ही पदस्थ किया गया। वर्ष 1984 में आप सीनियर केमिस्ट के पद पर पदस्थ हुए। वर्ष 1998 में आपको असिस्टेंट चीफ (लेखा) के पद पर नियुक्ति प्रदान की गई। अपनी कार्यकुशलता के आधार पर सेवायात्रा में अनवरत आगे बढ़ते हुए आपको वर्ष 2005 में अतिरिक्त निदेशक (वित्त एवं लेखा) के पद पदोन्नति प्राप्त हुई। इसी क्रम में आगे बढ़ते हुए वर्ष 2006 में निदेशक (वित्त एवं लेखा) के पद पर आप पदोन्नत हुए। पॉवर कंपनी की केन्द्रीय क्रीडा–कला परिषद में भी आप महासचिव के पद पर सक्रिय योगदान दे रहे हैं ।

श्री वर्मा एवं श्रीमती सक्सेना उत्कृष्ट अभियंता अवार्ड से अलंकृत

भारत रत्न इंजी. मोक्षगुण्डम विश्वेश्वरैया के जन्म दिवस पर रायपुर में आयोजित उत्कृष्ट अभियंता सम्मान समारोह में प्रदेश के महामहिम राज्यपाल श्री शेखर दत्त जी के हाथो पॉवर कंपनी की कार्यपालन अभियंता श्रीमती पूर्णिमा सक्सेना एवं सहायक अभियंता श्री ए.के वर्मा को उत्कृष्ट अभियंता अवार्ड से अलंकृत होने का गौरव प्राप्त हुआ। इस समारोह में छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के माननीय अध्यक्ष श्री गौरी शंकर अग्रवाल समारोह के अध्यक्ष की आसंदी से उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी में कार्यपालन अभियंता के पद पर सेवारत श्रीमती पूर्णिमा सक्सेना द्वारा आई.टी. के क्षेत्र में विशेष योगदान दिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के उच्चदाब/निम्नदाब उपभोक्ताओं की बिलिंग सही समय पर की जा रही है। उपभोक्ताओं को विशेष सुविधा प्रदान करते हुये विद्युत बिलों का भुगतान इंटरनेट के माध्यम से सुचारू रूप से किया जा रहा है। इसी तरह सहायक अभियंता श्री ए.के. वर्मा जो कि छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी के राजगाभाठा रिमोडलिंग कार्यालय में कार्यरत है को प्रदेश में विद्युत विकास के कार्यों में उल्लेखनीय भूमिका तथा उपभोक्ताओं की समस्याओं का त्वरित निदान हेतु यह अवार्ड प्रदान किया गया।

छ.ग.पॉवर उत्पादन कंपनी के कार्यपालक निदेशक श्री चन्द्रप्रकाश पाण्डेय संचालक नियुक्त

छत्तीसगढ़ राज्य उत्पादन कंपनी मर्यादित के संचालक (परियोजना) एवं ताप विद्युत गृह कोरबा में कार्यपालक निदेशक के पद पर पदस्थ श्री चन्द्रप्रकाश पाण्डेय का जन्म 12 अप्रेल 1952 को मंडला जिला मध्यप्रदेश में हुआ. अपने पिता स्व. चन्द्रगोपाल पाण्डेय एवं माता श्रीमती स्व. गोपी पाण्डेय से सुसंस्कार प्राप्त करते हुए आपने हायर सेकण्डरी की परीक्षा वर्ष 1968 में सिरमोर, रीवा मध्यप्रदेश से पास की। प्रारम्भ से ही मेधावी रहे श्री पाण्डे ने वर्ष 1973 में मेकेनिकल इन्जीनियरिंग की उपाधि गवर्नमेंट इंजीनियर कालेज, जबलपुर से प्राप्त की तथा वर्ष 1976 में एम.ए.सी.टी., भोपाल से पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इंजीनियरिंग मटेरियल्स से प्राप्त किया।

अध्ययन की पूर्णता उपरांत आपने अपने कैरियर की शुरूआत 02 फरवरी 1976 से मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल में ग्रेजुएट ट्रेनी के रूप में की। आगे 1974 में सहायक अभियंता के पद पर कोरबा पूर्व में पदस्थ हुये। अपनी सेवायात्रा में आगे बढ़ते हुये आपको वर्ष 1985 में कार्यपालन अभियंता, तथा वर्ष 2002 में अधीक्षण अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई। इन पदों पर आपने कोरबा पूर्व एवं पश्चिम स्थित ताप विद्युत संयंत्रो के आपरेशन, मेन्टेंनेंस, जनरेशन, ट्रेनिंग एवं आर.एण्ड डी. संबंधी कार्यों का कुशलतापूर्वक निवर्हन किया।

कार्य के प्रति लगन एवं निष्ठा के बलबूते नवम्बर 2007 में अतिरिक्त मुख्य अभियंता तथा नवम्बर 2009 में मुख्य अभियंता के पद पर आपको पदोन्नति प्राप्त हुई। इन पदों पर आपने कोरबा पश्चिम तथा रायपुर में अपनी सेवायें दी। आगे आपको वर्ष नवम्बर 2010 में कार्यपालक निदेशक के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई। इस पद पर आपने कमर्शियल एण्ड कार्पोरेट प्लानिंग रायपुर में अपनी सेवायें दी। आगे आपकी पदस्थापना कोरबा पूर्व सहित डॉ0श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह में की गई। आपकी उत्तम सेवाओं का मूल्यांकन करते हुये छत्तीसगढ़ शासन ऊर्जा विभाग द्वारा 02 नवम्बर 2011 को छत्तीसगढ़ राज्य उत्पादन कंपनी मर्यादित के संचालक (परियोजना) के पद पर आपको नियुक्त किया गया है।

कोरबा पश्चिम स्थित विद्यालय के विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर पर हुये पुरस्कृत

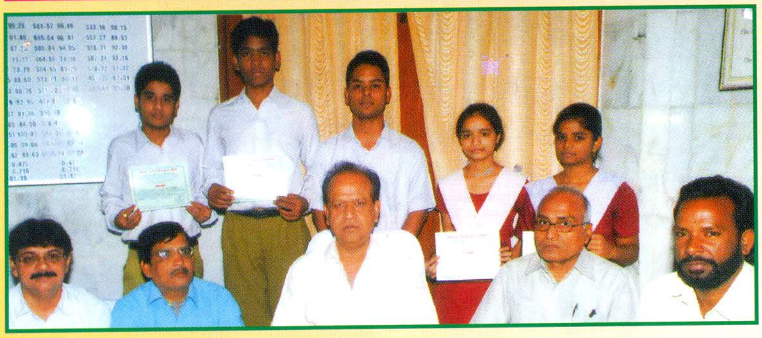

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कम्पनी के शतप्रतिशत अनुदान से संचालित कोरबा पश्चिम में स्थित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने राष्ट्रीय स्तर की अनेक स्पर्धाओं में अपनी श्रेष्ठता को प्रदर्शित किया है। इस दिशा में अनवरत् आगे बढ़ते हुये कु0पायल पाटले ने विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी विभाग दिल्ली तथा राज्य शैक्षिक एवं प्रशिक्षण परिषद रायपुर के तत्वावधान में आयोजित इन्सपार्यड अवार्ड 2011.12 में अपनी कुशाग्रता का परिचय दिया तथा राष्ट्रीय स्तर के लिये चयनित हुई। कु0 पायल ने शिक्षक श्री दिनेश कुमार रायचा एवं अपने पिता श्री बी. पी.पाटले के मार्गदर्शन मे यांत्रिक ऊर्जा का विद्युत ऊर्जा में परिवर्तन विषय पर अपना मॉडल प्रस्तुत किया था। कु0 पायल को नई दिल्ली में आयोजित विज्ञान मेले में मान.विलास राव देशमुख जी से सम्मानित होने का गौरव प्राप्त हुआ।

इसी तरह जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय विज्ञान एवं पर्यावरण प्रदर्शनी में किंशुक कुमार गोस्वामी को ऊर्जा स्रोत एवं संरक्षण पर केन्द्रित मॉडल में प्रथम स्थान तथा कु. पायल पाटले को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसी क्रम में शाला की छात्रा कु. सीमा गुप्ता को दैनिक जीवन में गणित विषय पर तृतीय तथा प्रश्नमंच में पीयूष राजपूत एवं पुष्पराज सिंह को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। जिनका चयन राज्यस्तरीय विज्ञान मेले के लिये हुआ।

विद्यालय के छात्र छात्राओं की उपलब्धि पर प्रशंन्नता व्यक्त करते हुये कोरबा पश्चिम के मुख्यअभियंता श्री एस.एन.अग्रवाल ने बधाई दी । साथ ही ऐसे ही उत्कृष्ट प्रदर्शन भविष्य में भी करते रहने के लिये अपनी शुभकामनायें दी। इस अवसर पर विद्युत नगर शिक्षा समिति के सचिव श्री के.पी.बनर्जी, शाला के प्राचार्य श्री आर.एन. अग्रवाल ने भी प्रतिभावान छात्रों के साथ शिक्षकों के मार्गदर्शन की सराहना की।

पॉवर कंपनी के एमडी श्री श्रीवास्तव एवं ए.सी.ई. श्री चौधरी की भावभीनी विदाई

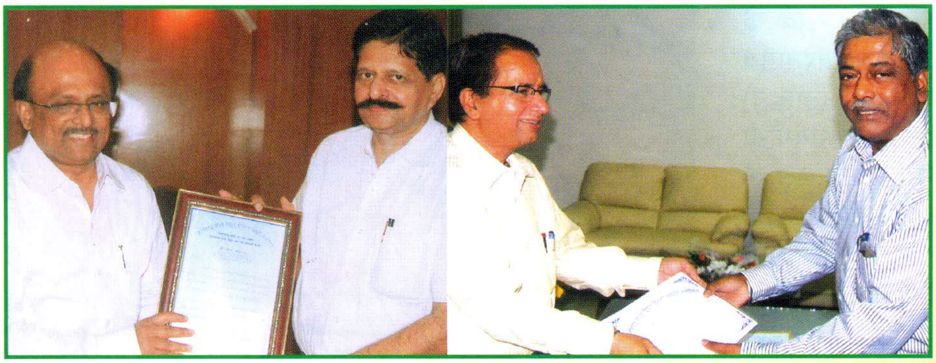

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर ट्रेडिंग एवं जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री व्ही.के.श्रीवास्तव एवं अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री उज्ज्वल कांति चौधरी को 30 अक्टूबर 2011 को सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई दी गई। विद्युत सेवा भवन के सभाकक्ष में आयोजित विदाई समारोह में छ.ग.शासन के मुख्य सचिव सह अध्यक्ष पॉवर कम्पनी श्री पी0जॉय उम्मेन ने सेवानिवृत्तजनों को प्रतीकात्मक भेंट एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अभियंताओं की सतत् सेवानिवृत्ति एक अपूरणीय क्षति है, लेकिन यह एक अनिवार्य प्रशासनिक प्रकिया है। आगे चुनौतिपूर्ण–जिम्मेदारियों का निवर्हन पॉवर कंपनी के दीर्घ अनुभवी अभियंताओं के कंधो पर है, उन्हें इस हेतु हमेशा तत्पर रहकर कंपनी के कार्यों को आगे बढ़ाना है। इसी क्रम में श्री उम्मेन सहित प्रबंध निदेशक वितरण कंपनी श्री सुबोध सिंह, प्रबंध निदेशक पारेषण कंपनी श्री जी.एस.कलसी एवं अन्य अधिकारियों–कर्मचारियों ने सेवानिवृत्त हुये श्री श्रीवास्तव एवं श्री चौधरी के सपरिवार सुखमय जीवन की कामना की।

इस अवसर पर सेवानिवृत्त अधिकारियों ने अपनी सेवायात्रा के दौरान अधिकारियों/कर्मचारियों से मिले सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया तथा अपनी सफलतम सेवा का आधार बताया। कार्यक्रम के आरंभ में अतिथियों का स्वागत कार्यपालक निदेशक श्री एस.डी.दीवान, डॉ0 एस.पी.शर्मा, मुख्य अभियंता श्री कैलाश नारनवरे, श्री संदीप चौधरी ने किया। सेवानिवृत्त अभियंताओं के जीवन परिचय पर प्रकाश डालते हुये कार्यक्रम का संचालन जनसम्पर्क अधिकारी श्री विजय मिश्रा ने किया।

पॉवर कंपनी में सांस्कृतिक समारोह का आयोजन

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कम्पनी के केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के बैनर तले सावन संग सदभावना पर्व पर केन्द्रित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति विद्युत सेवाभवन के प्रागंण में दी गई। देशभक्ति गीत **''ए वतन हमको तेरी कसम'' ''घिर घिर आई बदरा, राधे झूलन पधारो''** और सावन गीत गीत के बोल को पॉवर कंपनी के गायक–गायिकाओं सुमधुर लय–ताल के साथ प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। नृत्यांगना कु0 ज्योत्सना राव ने आजादी के उमंग को दर्शाने वाले गीत **''पंछी बनू उड़ते चलू मस्त गगन में''** पर अत्यन्त मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी। कलाकारों को छ.ग.शासन के मुख्य सचिव–पॉवर कंपनी के अध्यक्ष श्री पी. जॉय उम्मेन एवं होल्डिंग कंपनी के महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री कैलाश नारनवरे ने पुरस्कृत किया। इस अवसर पर अध्यक्ष श्री उम्मेन सहित प्रबंध निदेशकगण सर्वश्री सुबोध सिंह, जी.एस.कलसी एवं व्ही.के. श्रीवास्तव ने कलाकारों की कला की भूरि–भूरि प्रशंसा कर निरंतर आगे बढ़ते रहने की शुभकामनायें दी।

श्री कमल मुखर्जी के निर्देशन में गीत, संगीत को लयताल के साथ शारदा रानी, डी.ललिता, हेमलता तिवारी, किरण लता वैद्य, एम.एल.पाल, डी.आर.यादव, मनोहर बनवारी, रतन गोंडाने, शिवनारायण, श्रीधर अय्यर ने प्रस्तुत किया विदित हो कि बहुमुखी प्रतिभा की धनी नृत्यांगना कु0 ज्योत्सना राव ने पी.एम.टी. की परीक्षा मे समूचे प्रदेश में 29 वॉ रेंक लेकर पॉवर कंपनी परिवार को भी गौरवान्वित किया है। इन्हें केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से उत्कृष्टता प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया है। पॉवर कंपनी में खेल एवं कला को प्रोत्साहित करने के लिये गठिन कला परिषद के कला सचिव श्री विजय मिश्रा ने कार्यक्रम का संचालन किया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह के कार्यपालक निदेशक (उत्पादन) श्री सोनकर की भावभीनी विदाई

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व के प्रशासनिक भवन में 1 सितंबर 2011 को आयोजित एक गरिमामय समारोह में श्री आर.डी.सोनकर, कार्यपालक निदेशक (उत्पादन) को अधिवार्षिक आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने पर भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल के पूर्व सदस्य श्री बी.आर.एस.बघेल व श्री एम.बी.मेढेकर अति. विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। समारोह की अध्यक्षता संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (उत्पादन) श्री सी.पी.पाण्डे ने की व अतिरिक्त मुख्य अभियंता (संचारण/संधारण) श्री डी.महतो विशिष्ट अतिथि के रूप में मंचासीन रहे।

सर्वप्रथम संयंत्र के वरिष्ठ कल्याण अधिकारी श्री जी. खण्डेलवाल द्वारा श्री सोनकर का परिचय व उपलब्धियों की जानकारी दी गई। श्री सोनकर के अभिनंदन के बाद मंचासीन विशिष्टजनों ने श्री सोनकर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुये उनके द्वारा संयंत्र में दिये गये योगदान को अविष्मरणीय बताया। वक्ताओं ने उनकी कुशल नेतृत्व क्षमता, कार्य निष्ठा, समर्पण व कार्यशैली की भूरि–भूरि प्रशंसा करते हुये उनकी कार्यावधि में संयंत्र द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित अनेकानेक कीर्तिमानों का जिक्र किया। उन्होंने श्री सोनकर के सुखमय जीवन की कामना भी की। श्री सोनकर ने इस अवसर पर संयंत्र में अपने अनुभवों को बॉटा व संयंत्र में कार्यरत समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों व ठेका श्रमिकों को संयंत्र की उपलब्धियों के लिए साधुवाद दिया। अधीक्षण यंत्री (मानव संसाधन), श्री अतुल पुनवटकर ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किये। श्री बी.बी.पी.मोदी, अधीक्षण यंत्री (सेवाएं), कोरबा ताप विद्युत गृह द्वारा श्री सोनकर के सम्मान में स्वरचित कविता का वाचन किया गया। श्री सोनकर को इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी से प्राप्त सेवा प्रमाण पत्र के अलावा घड़ी व प्रतीक उपहार भेंट किया गया। साथ ही, उन्हे सेवानिवृत्ति संबंधी धनादेश भी प्रदान किये गये। संयंत्र में कार्यरत अग्निशमन व सुरक्षा विभाग द्वारा भी श्री सोनकर को प्रतीक उपहार भेंट किया। डॉ. जी.पी.दुबे मुख्य रसायनज्ञ द्वारा आभार प्रदर्शन व श्री जी.खण्डेलवाल द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया। अंत में, श्री सी.एस.ठाकुर, मुख्य अग्निशमन सह सुरक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन व वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी श्री एम.के. रायकवार के नेतृत्व में श्री सोनकर को गार्ड ऑफ ऑनर देते हुए भावभीनी विदाई दी गई।

समारोह को सफल बनाने में सिविल, विद्युत परी. व उप., मानव संसाधन, सुरक्षा अग्निशमन लेखा आदि समस्त विभागों का योगदान सराहनीय रहा।

आदर्शिनी महिला मंडल में शरदोत्सव पर रंगारंग कार्यक्रम

आदर्शिनी महिला मंडल द्वारा शरदोत्सव के अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कम्पनी के सांस्कृतिक भवन, डंगनिया रायपुर में रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ मॉ सरस्वती वंदना की पूजा कर दीप प्रज्जवलित कर किया गया। क्लब की अध्यक्षा श्रीमती नीलिमा श्रीवास्तव एवं श्रीमती गुरमीत कौर के मार्गदर्शन में बस्तर डांस, रिमिक्स डांस, कव्वाली एवं नाटक की प्रस्तुति दी गई। शरदोत्सव पर प्रस्तुत कार्यक्रमों की विशेष उपादेयता को प्रतिपादित करते हुये व्यक्त किया गया कि शरद पूर्णिमा के दिन पृथ्वी के बहुत निकट चन्द्रमा होता है तथा मन का स्वामी चन्द्रमा को माना गया है। मन का प्रभाव शरीर के स्वास्थ्य पर पड़ता है। अतः तन–मन को उत्साहित–उल्लसित रखने शरदोत्सव पर विविध साहित्यक, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रचलन है। इसी के अनुपालन में आदर्शिनी महिला मंडल ने उत्कृष्ट परंपरा को बनाये रखा है। कार्यक्रम के अंत में महिला मंडल द्वारा "ज्योति कलश छलके" गीत की प्रस्तुति दी गई।

कोरबा पूर्व के उत्कृष्ट कर्मियों को कार्यपालक निदेशक श्री पांडेय ने किया पुरस्कृत

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी कोरबा ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व में आजादी की 64 वीं वर्षगांठ पर ''स्वतंत्रता दिवस'' समारोह का भव्य आयोजन विद्युत गृह परिसर प्रांगण में कार्यपालक निदेशक श्री सी. पी. पाण्डेय के मुख्य आतिथ्य में किया गया। सर्वप्रथम इस अवसर पर वीर शहीदो को नमन करते हुये कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री पांडेय विशिष्ट अतिथि श्री एस. आर. जायसवाल मुख्य अभियंता प्रशिक्षण, श्री ए.के.मोहरिकर, वरि.मुख्य रसायनज्ञ एवं श्री शिरीष टिल्लू अति.मुख्य अभियंता ने महात्मा गांधी की प्रतीमा पर माल्यार्पण किया। श्री पाण्डेय ने स्वतंत्रता दिवस पर कम्पनी मुख्यालय एवं स्थानीय स्तर पर विशिष्ट कार्य के लिये सम्मानित होने वाले कर्मियों तथा सर्वोच्च अंको के साथ बोर्ड एवं समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों को सम्मानित किये जाने पर उन्हे बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्य अतिथि श्री पाण्डेय ने ध्वजारोहण किया एवं सुरक्षा सैनिकों के परेड की सलामी ली। श्री एस. आर. रात्रे, सरक्षा अधिकारी की अगुआई में मुख्य अतिथि ने परेड का निरीक्षण किया। परेड का नेतृत्व श्री आर.पी.मिश्रा, वरिष्ठ सुरक्षा सैनिक ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने आकाश में शांति एवं एकता के विकास के प्रतीक रंगबिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़े तथा विद्युत गृह विद्यालय के छात्र छात्राओं ने देश भक्ति गीत प्रस्तुत किया।

समारोह में विशिष्ट सेवा हेतु कम्पनी की अनुशंसा पर 6 कर्मी सर्वश्री वीरेन्द्र सिंह., सहायक अभियंता, एम आर कश्यप, संयंत्र सहा. श्रे.एक, विमल कुमार देवांगन, संयंत्र सहा.श्रे.एक, रामचंद्र पिल्लई, संयंत्र सहा.श्रे.दो, टी. पी. राठौर, संयंत्र सहा.श्रे.एक, एवं अशोक कुमार साहू कार्यालय सहायक.श्रे.दो को तथा एवार्ड कमेटी द्वारा 31 कर्मियों को पदक एवं प्रशस्ति पत्र 43 कर्मियों को ग्रुप एवार्ड से सम्मानित किया गया। प्रतिभावान छात्र उपेन्द्र सिंह राठौर, कु. कुसुम सिदार, मेघपाल साहू को प्राथमिक परीक्षा कु. सुस्मिता मुखर्जी, कु.नीधि शांडिल्य को माध्यमिक परीक्षा सचेत धर, मयंक कश्यप को हाई स्कूल परीक्षा तथा कु. आस्था कोहलीए अम्बरीश बोस एवं अभिलाष उपाध्याय को हायरसेकेन्ड्री परीक्षा में सर्वाधिक अंक अर्जित करने पर नगद पदक एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि श्री पांडेय ने उपस्थित समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिजनों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुये अपने उद्‌बोधन में कहा कि विद्युत उत्पादन से ही राष्ट्र का समग्र विकास संभव है जिसके लिये हमारे कर्मी दिन रात मेहनत कर रहे हैं। हमारे कर्मी निष्ठापूर्वक कार्य कर रहे हैं। उन्होने जुलाई माह में विगत दस वर्षों में अब तक सर्वाधिक विद्युत उत्पादन करने का जिक्र करते हुये कहा कि संयंत्र के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी प्रदेश एवं देश हित में सतत् बिजली प्रदान कर राष्ट्र को समृद्ध एवं खुशहाल बनाने में जुटे हुए हैं। प्रदेश के सबसे पुराना संयंत्र होने के बाद भी भरपूर बिजली पैदा करने के साथ ही सभी राष्ट्रधर्म का निर्वहन कर रहे हैं, उन्होने कर्मियों के कार्यशैली की प्रशंसा करते हुये कहा कि कुशल व दक्ष कार्यशैली के कारण यह संयंत्र अपने उत्पादन उपलब्धता को प्राप्त करने के प्रयास में अग्रसर हैं। समारोह में अधिकारी कर्मचारी एवं उनके परिजनों, छात्र–छात्राएं तथा प्रेरणा महिला मंडल के सदस्य काफी संख्या में उपस्थित थे।

अतिरिक्त मुख्य अभियंता कोरबा पूर्व श्री शिरीष टिल्लू ने समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुये आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन श्री एस.पी. बारले, वरिष्ठ कल्याण अधिकारी ने किया। आयोजन को सफल बनाने में आई.एंड सी विभाग, सिविल–1 उद्यान विभाग सुरक्षा विभाग के साथ श्री एक्का, चंदशेखर देवांगन, एवं सनत कश्यप का सहयोग सराहनीय रहा।

उपभोक्ता सेवा में सुधार करने चार विद्युत जोन कार्यालय का शुभारम्भ

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उपभोक्ता सेवा में निरन्तर विस्तार किया जा रहा है। उपभोक्ताओं को नये विद्युत कनेक्शन देने के मामले में भी तेजी लाई गई है। इसी क्रम में आगे बढ़ते हुये रायपुर क्षेत्र नगर संभाग उत्तर के अन्तर्गत 4 जोन कार्यालय का उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन माननीय नगरीय निकाय एवं स्थानीय प्रशासन मंत्री श्री राजेश मूणत के मुख्य आतिथ्य में 07 सितम्बर 2011 को किया गया। जोन कार्यालय के शुभारम्भ अवसर पर संबंधित क्षेत्र के पार्षदगण भी उपस्थित थे। इन्होंने नये जोन कार्यालय को सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं के लिये उपयोगी निरूपित करते हुये प्रसन्नता व्यक्त की।

इस अवसर पर रायपुर क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री लक्ष्मी नारायण इरकी ने जानकारी दी कि जन–जन से जुड़ी बिजली सुविधा का विस्तार हाल ही के वर्षों में तीव्र गति से हुआ है, जिससे राजधानी से उपभोक्ताओं की संख्या – प्रति व्यक्ति विद्युत की खपत में रिकार्ड वृद्धि हुई है। उपभोक्ताओं की बढ़ती संख्या के अनुरूप राजधानी में नये जोन टाटीबंध, खमतराई, गुढ़ियारी एवं भनपुरी जोन का गठन किया गया है। शुभारंभ समारोह में उपस्थित पार्षदगण सर्वश्री नाराद काशौल, दीनानाथ शर्मा, डॉ. पूर्ण प्रकाश झा, खेमलाल साहू, पुरूषोत्तम देवांगन, सुनील चन्द्राकर, सुन्दर जोगी, मनीष ध्रुव बजरंग निषाद उपस्थित थे।

आगे श्री इरकी ने बताया कि इन चारों जोन कार्यालयों में सहायक अभियंता स्तर के अधिकारी जोन प्रभारी बनाये गये हैं। नये जोन कार्यालय के आरम्भ हो जाने से संबंधित क्षेत्र के उपभोक्ताओं को विद्युत कनेक्शन, विद्युत देयक तथा अन्य बिजली संबंधी शिकायतों के लिये अलग अलग कार्यालय में जाने की आवश्यकता नहीं होगी। संबंधित जोन कार्यालय में बिजली संबंधी समस्त कार्यों का निपटारा सहजता से हो सकेगा, इससे उपभोक्ताओं के समय एवं श्रम की बचत होगी। नये जोन कार्यालय खुल जाने से कार्यक्षेत्र छोटा होगा इससे अधिकारियों/कर्मचारियों के कार्य में भी तेजी आयेगी और उपभोक्ताओं की समस्याओं का त्वरित निदान हो सकेगा। नये आरम्भ हुये जोन कार्यालय में टाटीबंध के श्री डी.के.साहू, खम्तराई की कु0 यशोदा खाण्डे, गुढ़ियारी के श्री एस.के.अग्रवाल तथा भनपुरी के श्री विनय चंद्राकर जोन प्रभारी बनाये गये हैं।

नवनिर्मित टाटीबंध जोन के अन्तर्गत कबीर नगर, हीरापुर, चंदनडीह, अटारी, हथबंद, तेदुआ, गुमा, गोमची, बाना बोरझरा,सोनडोंगरी, जरवाय, खम्तराई जोन में शिवानंद नगर, संयासीपारा, साहूपारा, गोंदवारा, सरोरा गोगांव, श्रीनगर, गंगानगर, ब्रम्हदेवीपारा, पटेल – इंदिरा टिम्बर मार्केट, आकाश गैस आदि, गुढ़ियारी जोन के अन्तर्गत जनता कालोनी, महोबा बाजार, कोटा, राम–अशोक–विकास–भवानी–लक्ष्मण नगर, बियास तालाब, गोकुल नगर, आम्रानाका अनमोल विहार, मुर्राभाठा आदि तथा भनपुरी जोन के अन्तर्गत धनलक्ष्मी–रामेश्वर–विजय नगर, बिरगांव भनपुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, गोंदवारा, उमिया मार्केट उरला, अछोली, ब्रेंदी, भनपुरी, रावणभाठा क्षेत्र शामिल हैं। शुभारम्भ समारोह में अतिथियों का स्वागत रायपुर क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री लक्ष्मीनारायण इरकी, प्रहलाद सिंह, जी.एल.चन्द्रा, एम. विश्वकर्मा, सुनील अग्रवाल, एम. के.वर्मा, रूचि राव स्वागत किया।

कोरबा पूर्व में धूम–धाम से विश्वकर्मा जयंती मनाया गया

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कम्पनी, कोरबा पूर्व के विद्युत उत्पादन संयंत्र में प्रति वर्षानुसार "भगवान विश्वकर्मा पूजा" समारोह उत्साहपूर्वक धूम धाम से मनाया गया। इस अवसर पर संयंत्र के सभी अनुभागों में झांकी निर्मित कर विधि विधान से पूजा अर्चना की गइ तथा कर्मियों को प्रसाद बांटे गये। विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर कोरबा पूर्व एवं डी. एस. पी. एम. के कार्यपालक निदेशक श्री सी. पी. पाण्डेय, अति.मुख्य अभियंता श्री डी. महतो एवं श्री शिरीष टिल्लू ए सहित समस्त अधीक्षण अभियंताओं तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने संयंत्र की तरक्की की कामना की।

वितरण कंपनी के लेखा इकाई–2 गुढ़ियारी कार्यालय का शुभारम्भ

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित रायपुर के क्षेत्रीय मुख्यालय गुढ़ियारी में लेखा इकाई–2 कार्यालय का शुभारम्भ रायपुर क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री लक्ष्मी नारायण इरंकी के करकमलों से 05 अक्टूबर 11 को संपन्न हुआ। इस अवसर पर उन्होंने उपभोक्ता सेवा को प्रथम कर्त्तव्य निरूपित करते हुये कहा कि विद्युत वितरण कंपनी से जुड़ी लेखा कार्यालय की यह इकाई राजस्व एवं लेखा से संबंधित कार्यों का त्वरित निदान करते हुये कंपनी को नई ऊँचाई प्रदान करेगी। इसी क्रम में कार्यक्रम के अध्यक्ष मुख्यालय के महाप्रबंधक (वित्त) श्री संदीप मोदी ने आशा व्यक्त कि की यह इकाई अपने कार्यों में नवीनता लाते हुये वितरण कंपनी की उन्नति में सहायक सिद्ध होगी। इस अवसर पर उपस्थित विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री प्रहलाद सिंह, अतिरिक्त महाप्रबंधक द्वय सर्वश्री व्ही.के.अग्रवाल एवं गोपाल मूर्ति तथा अतिथियों ने नये कार्यालय के शुभारम्भ पर अधिकारियों / कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनायें दी।

उल्लेखनीय है कि क्षेत्रीय लेखा इकाई–दो के इस नवीन कार्यालय में रायपुर क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले अधीक्षण अभियंता (संचा–संधा) वृत्त रायपुर, महासमुंद वृत्त, सिविल वितरण वृत्त रायपुर तथा भण्डार वृत्त रायपुर के समस्त कार्यालयों के लेखा एवं राजस्व वसूली से संबंधित कार्यों का निष्पादन किया जायेगा। कार्यक्रम के आरम्भ में लेखाधिकारी सर्वश्री लखन लाल परिहार, श्याम लाल लुनिया, के.के.मिश्रा, आर.पी.राज, कार्यपालन अभियंता श्री एम.डी. बडगैंया, श्रीमती आशा प्रसन्नन, प्रशासनिक अधिकारी श्री एन.सी.कमाले, सर्वश्री जनक लाल दौड़िया, मो. उबैदुल्ला हफीज, श्रीमती रूबी विश्वास, संजय देसाई, रामेश्वर प्रसाद वर्मा तथा एम.ए.इकबाल द्वारा अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया।

कार्यक्रम के अंत में मो.उबैदुल्ला हफीज द्वारा लेखा इकाई–2 के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का अतिथियों से परिचय कराया गया। आभार प्रदर्शन लेखाधिकारी श्री श्याम लाल लुनिया ने किया। कार्यक्रम का संचालन रायपुर क्षेत्र के कल्याण अधिकारी श्री दीनानाथ वर्मा द्वारा किया गया।

विद्युत पारेषण कंपनी से सेवानिवृत्त कर्मियों की भावभीनी विदाई

छत्तीसगढ़ राज्य पारेषण कंपनी से सेवानिवृत्त हुये कर्मचारियों को एक सादे समारोह में 30 सितम्बर 11 को भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्य अभियंता (टी एण्ड सी) श्री विजय सिंह ने कम्पनी की ओर से देय समस्त भुगतानों के धनादेश, पेंशन आदेश, भविष्य निधि की राशि, सेटलमेंट अलाउन्स तथा अवकाश नकदीकरण का भुगतान सेवानिवृत्त तिथि पर ही प्रदान करते हुये उनके सपरिवार उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मियों के कार्यों की सराहना करते हुये उसका अनुशरण अन्य कर्मियों से करने का आव्हान किया। श्री सिंह ने सेवानिवृत्त कर्मियो से भविष्य में भी आवश्यकता पड़ने पर अपने अनुभव का लाभ पॉवर कम्पनी को देने की बात कही।

इस अवसर पर कम्पनी की ओर से विशेष आमंत्रित औद्योगिक संबंध अधिकारी श्री आर.डी.सिंह का उनके द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों के हित संवर्धन के लिये किये गये कार्यों के लिये सम्मान किया गया। श्री सिंह ने सेवानिवृत्त हो रहे श्री बन्धुलाल (लाईन सहायक ग्रेड–3) को अपने कर कमलों से सम्मानित कर सभी को अपनी शुभकामनायें दी।

सेवानिवृत्त कर्मियों में सर्वश्री लक्ष्मण देवाजी मौंदेकर (परीक्षण पर्यवेक्षक ग्रेड–2) पुनीत राम साहू (लाईन सहायक वर्ग एक) बन्धु लाल (लाईन सहायक वर्ग एक) शामिल हैं। समारोह में ट्रांसमिशन कम्पनी के अधिकारी एवं कर्मचारी काफी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रबंध निदेशक कार्यालय के श्री योगेश नैय्यर ने करते हुये सेवानिवृत्त कर्मियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अन्त में आभार प्रदर्शन उपमहाप्रबंधक श्री व्ही.के.चड्डा ने किया।

ताप विद्युत परियोजना के कार्य प्रगति की समीक्षा बैठक सम्पन्न

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर जनरेशन कंपनी द्वारा विद्युत उत्पादन क्षमता बढ़ाने हेतु प्रदेश में निर्माणाधीन परियोजनाओं के कार्य प्रगति की गति बढ़ाने संबंधी एक उच्चस्तरीय बैठक 14 अक्टूबर 11 को आहुत की गई। कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री व्ही.के. श्रीवास्तव द्वारा परियोजना निर्माण में लगे भारत हैवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड, टेक्प्रो, बी.जी.आर. तथा ए.बी.बी. कंपनी के उच्चाधिकारियों से विस्तृत विचार विमर्श किया गया। ये कंपनियॉ कोरबा में तथा मड़वा–तेदूंभाठा में निर्माणाधीन ताप विद्युत परियोजनाओं का कार्य कर रही है। दिनभर चली बैठक में श्री श्रीवास्तव ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों परियोजनाओं के विद्युत गृहों का बॉयलर लाईटअप फरवरी 2012 में किया जाना निर्धारित है। इसे दृष्टिगत रखते हुये कार्य की गति बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कोरबा एवं मड़वा तेदूंभाठा परियोजनाओं की पूर्णता से 1500 मेगावाट अतिरिक्त बिजली प्रदेश को आगामी एक वर्ष में मिलने लगेगी। ऐसे ड्रीम प्रोजेक्ट की कार्य प्रगति के प्रति माननीय मुख्यमंत्री डॉ0 रमन सिंह जी की भी विशेष अभिरूचि है। अतः परियोजना के निर्माण में लगी सभी कंपनियॉ निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्यों को हरहाल में यथासमय पूर्ण करें।

बैठक में दोनों परियोजनाओं के हाइड्रोलिक टेस्ट को यथासमय पूर्ण करने हेतु संबंधित कंपनियों की श्री श्रीवास्तव ने सराहना की। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की गति में तेजी लाकर ही परियोजनाओं का सिंक्रोनाईज तथा वाणिज्यिक उत्पादन समय पर सुनिश्चित किया जा सकेगा। प्रोजेक्ट के संबंध में बी.जी.आर. कंपनी के अध्यक्ष श्री जी.अमूदन तथा भेल के कार्यपालक निदेशक जैनेन्द्र कुमार जैन एवं टेक्प्रो के अध्यक्ष श्री अवलीकर सहित हैदराबाद, दिल्ली, हरिद्वार, त्रिचन्नापल्ली से बैठक में शामिल होने आये अधिकारियों ने परियोजना निर्माण की प्रगति पर बिन्दुवार प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

मड़वा परियोजना में निर्माणाधीन 500x2 मेगावाट क्षमता की दोनों इकाईयों की कार्य प्रगति को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर देते हुये एम.डी. श्री श्रीवास्तव ने मेन पॉवर को बढ़ाकर कार्य में गति लाने निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के भविष्य का विद्युत परिदृश्य इन इकाईयों की पूर्णता पर बहुत कुछ निर्भर है। इसे दृष्टिगत रखते हुये छत्तीसगढ़ शासन द्वारा भी सम्पूर्ण सहयोग किया जा रहा है। अतः किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी बर्दास्त नहीं की जायेगी।

बैठक में छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर जनरेशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक (सिविल) श्री पी.एल.विधानी, सलाहकार श्री आर.के.बाझल परियोजना उत्पादन एक के मुख्य अभियंता श्री एम.एल.हिरवानी एवं दो के मुख्य अभियंता श्री एम.के. चौधरी तथा कोरबा पश्चिम विस्तार परियोजना के प्रोजेक्ट मैनेजर श्री ओ.सी. कपिला एवं मड़वा के प्रोजेक्ट मैनेजर श्री ए.के. सिंह सहित उत्पादन संकाय के उच्चाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

प्रेरणा महिला मंडल कोरबा पूर्व का हरियाली–तीज उत्सव सम्पन्न

प्रेरणा महिला मंडल सीनियर क्लब छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी मर्यादित कोरबा पूर्व द्वारा "हरियाली तीज"– उत्सव 2011 का आयोजन उमंग एवं हर्षोल्लास के साथ किया गया। प्रेरणा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती सुधा सोनकर, प्रेरणा महिला मंडल की उपाध्यक्षा श्रीमती फ्लेबिया जूडा, श्रीमति मोहिनी पांडेय, श्रीमति इंदु महतो श्रीमती नीलिमा टिल्लू एवं संकल्प महिला मंडल कोरबा पश्चिम की अध्यक्षा श्रीमती हंसा अग्रवाल, तथा उपाध्यक्षा श्रीमति माया जायसवाल की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

प्रेरणा महिला मंडल की सचिव श्रीमती साधना दुबे के द्वारा सभी आमंत्रित अतिथियों का स्वागत किया गया। कोशाध्यक्षा श्रीमती साधना गर्दे, सहसचिव श्रीमति दीपाशहा तथा सुरभि वैद्य, क्रीडा सचिव श्रीमती सईदा खान एवं सांस्कृतिक सचिव श्रीमती उर्मिला चौहान के संयुक्त संयोजन मं सावन के मनमोहक वातावरण में श्रृंगार रस से ओत–प्रोत अनेक मनोरंजक नृत्य तथा गीत प्रस्तुत किये गये।

कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीगणेश वंदन से किया गया, तत्पश्चात प्रेरणा महिला मंडल के सदस्यों ने सावन के परम्परागत कजरी गीत, छत्तीसगढ़ी गीत, नृत्य तथा राजस्थानी नृत्य, गीत एवं संगीत प्रस्तुत कर मनमुग्ध किया। इस अवसर पर फेशन शो का आयोजन भी किया गया। हरियाली तीज के अवसर पर श्रीमति चारू देवांगन हरियाली क्वीन चुनी गई। श्रीमति चारू देवांगन को प्रेरणा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती सोनकर श्रीमति पाण्डेय एवं श्रीमति जुडा के द्वारो 'ताज' एवं प्रतीक से नवाजा गया। उपरिुथत सभी सदस्यों को हरियाती तीज उत्सव पर एक दूसरे को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होने इस गरिमामय आयोजन तथा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिय सभी का आभार व्यक्त किया। हरियाली तीज के अवसर पर फूलों से सुसज्जित झूलें पर झूल कर अतिथियों एवं सभी सदस्यों ने सावन का आनंद लिया। कार्यक्रम का संचालन मंडल की सांस्कृतिक सचिव दुबे ने किया।

कोरबा पूर्व में सदभावना दिवस मनाया गया

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कम्पनी मर्यादित, कारबा पूर्व में सदभावना दिवस 20 अगस्त 2011 के अवसर पर 19 अगस्त 2011 को मुख्य अभियंता प्रशिक्षण के सभागार में किया गया। सदभावना दिवस प्रतिज्ञा का आयोजन कार्यपालक निदेशक श्री सी.पी.पाण्डेय एवं अति.मुख्य अभियंता श्री एस.एस. टिल्लू के गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर कोरबा पूर्व के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को श्री सी.पी. पाण्डेय ने सदभावना दिवस प्रतिज्ञा दिलाया तथा लोगों में आपसी सद्भाव बनाने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन श्री एस. दीनबन्धु, मुख्य सरंक्षा अधिकारी ने किया।

कोरबा पूर्व में ईद-मिलन समारोह सम्पन्न

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कम्पनी, कारबा पूर्व आवासीय परिसर स्थित नूरी मस्जिद, इन्तेजामिया कमेटी के तत्वाधान में, बुधवारी स्थित नूरी मस्जिद प्रांगण में ईद मिलन समारोह का आयोजन श्री सी.पी.पाण्डेय, कार्यपालक निदेशक, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कम्पनी, कोरबा पूर्व के आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।

इस मौके पर श्री पाण्डेय ने समस्त उपस्थितजनो को ईद की मुबारकबाद देते हुए कहा कि आपसी भाईचारा एवं सभी धार्मिक पर्वो को मिलजुल कर मनाने की परंपरा हमारी संस्कृति है। ईद के पुनीत अवसर पर मस्जिद में आकर आप सब से मुलाकात कर मुझे काफी प्रसन्नता है। इन्तेजामिया कमेटी का यह आयोजन आपसी भाईचारा, मधुर औद्योगिक संबध एवं धार्मिक सौहार्द्र बनाने में सहायक सिद्व होगा।

इस अवसर पर नूरी मस्जिद इन्तेजामिया कमेटी के इमाम साहब, कोरबा पूर्व एवं डीएसपीएम के वरि.कल्याण अधिकारी श्री एस पी बारले एवं श्री गोपाल खंडेलवाल, कमेटी के सदर श्री एम. एम.सिद्वकी, सचिव वाहीद अली अंसारी ने लोगों को सम्बोधित किया एवं ईद की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन श्री शमीम खान ने किया। इस आयोजन में काशीनगर एवं बुधवारी

वार्ड के पार्षद द्वय, बी.एम.एस. के श्री एस.एन.दुबे, डॉ.राठौर, अधीक्षण अभियंता कोरबा पूर्व श्री पी.एन.राय,श्री मण्डावी, श्री के. वाई.खान, श्री एस.दीनबन्धु तथा सुरक्षा अधिकारी श्री एस.आर. रात्रे उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन कमेटी के खजांची श्री एम.ए.अंसारी ने किया। श्री रशीद खान एवं श्री अब्दुल सलाम कुरैशी ने इस अवसर पर नात पेश किया। सभी उपस्थित गरिमामय लोगों का नूरी मस्जिद इन्तेजामिया कमेटी के सदस्यों एवं अध्यक्ष श्री एम.एम.सिद्वकी द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

कोरबा पूर्व में शिक्षक दिवस पर गुरूजनों का किया सम्मान

त्याग और तप मूल्यवान है, जो शिक्षकों से मिलता है-शर्मा

विद्युत गृह विद्यालय प्रबंधन समिति के तत्वावधान में छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कम्पनी, के आवासीय परिसर में संचालित विद्युत गृह विद्यालय क्रमांक एक कोरबा में शिक्षक दिवस पर कार्यक्रम आयोजित कर शिक्षकों का सम्मान किया गया है। श्री एल.पी.शर्मा के मुख्य आतिथ्य एवं समिति के अध्यक्ष श्री एस.एस.टिल्लू, की अध्यक्षता मं कार्यक्रम का आयोजन किया।

सर्वपल्ली डॉ.राधाकृष्णन की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात समस्त गुरूजनों का एवं विद्यालयीन कर्मियों का तिलक लगाकर एवं पुष्प तथा उपहार भेंट कर सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि श्री एल.पी.शर्मा ने इस अवसर पर शिक्षकों को नमन करते हुए कहां कि शिक्षकगण अत्यधिक मेहनत करते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे है तथा देश के भविष्य को सजाने संवारने तथा अच्छे नागरिक बनाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं उनकी त्याग और तत्पस्या काफी मुल्यावान है जिसका लाभ पूरे समाज को मिल रहा है एवं सदैव मिलता रहेगा। समिति के अध्यक्ष श्री टिल्लू ने अपने उद्बोधन में कहा कि आचार्य देव की तरह है, उनके हर आदर्श अनुकरणीय है जिसे अपने आचरण में लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि, राष्ट्र की भावी पीढ़ी के निर्माण का दायित्व हमारे शिक्षकगण निभा रहें है।

कार्यक्रम का संयोजन प्रबंधन समिति के सचिव श्री बी.बी.डी. जायसवाल एवं संचालन वरि.कल्याण अधिकारी श्री एस.पी.बारले ने किया। गुरूजनों की ओर से श्री बंसत कुमार पाण्डेय, व्याख्याता के द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर समिति के सदस्य श्री एन.पी.बिल्लोरे, श्री आर.लकड़ा, रोहित तिवारी, श्री समारूलाल बरेठ प्राचार्य श्री एम.एल.चन्द्रा एवं श्रीमती प्रवीण संत एवं समस्त आचार्यगण उपस्थित थ।

"कर्मचारी राज्य बीमा चिकित्सालय द्वारा कोरबा पूर्व में चिकित्सा शिविर

कर्मचारी राज्य बीमा निगम कोरबा के तत्वाधान में राज्य बीमा चिकित्सालय कोरबा के चिकित्सकों द्वारा कोरबा ताप विद्युत गृह कोरबा पूर्व में कार्यरत ठेका श्रमिकों के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर में बीमा चिकित्सालय के चिकित्सक डॉ. दिग्विजय सिंह एवं श्रीमती प्रज्ञा पटेल, कु.अरूणा राज, कमल लहरे ने अपनी सेवाएं प्रदान की। कोरबा पूर्व के 200 श्रमिकों को चिकित्सा परामर्श एवं निःशुल्क दवाई वितरण किया गया। शिविर के आयोजन की कोरबा पूर्व के कार्यपालक निदेशक श्री सी.पी.पाण्डेय एवं कारखाना प्रबंधक श्री शिरीष टिल्लु ने प्रशंसा की। शिविर का संयोजन वरि.कल्याण अधिकारी श्री.एस.पी. बारले एवं अति.मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ.एच.एल.पंचारी द्वारा किया गया। फार्मासिस्ट एल.बी.सिंह का शिविर में विशेष सहयोग रहा।

कोरबा पूर्व में हिन्दी दिवस का आयोजन

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कम्पनी, कोरबा पूर्व हिन्दी परिषद द्वारा प्रशिक्षण सभागार में हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन श्री.सी.पी.पाण्डेय, कार्यपालक निदेशक के मुख्य आतिथ्य श्री पार्थसारथी राव पूर्व–प्राध्यापक संस्कृत, के विशिष्ठ आतिथ्य एवं श्री एस.आर.जायसवाल की अध्यक्षता तथा श्री शिरीष टिल्लू अति.मख्य अभियंता एवं ए.के.मोहरीकर वरि.मुख्य मुख्य रसायनज्ञ की गरिमामय उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ मॉ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर किया गया। श्री साधराम एवं साथियों द्वारा सरस्वती वंदना की प्रस्तुति के पश्चात हिन्दी परिषद के अध्यक्ष श्री बी. बी. पी. मोदी ने हिन्दी समारोह में सम्पन्न होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए अतिथियों के सम्मान में काव्यपाठ किया।

इस अवसर पर कार्यक्रमों के मुख्य अतिथि श्री सी.पी.पाण्डेय ने कहा कि दुनिया में मिसाल कायम करने में हिन्दी भाषा सक्षम है। हिन्दी अन्तरमन की भाषा है जबकि अंग्रेजी रटटू भाषा की तरह है। हिन्दी को आगे बढ़ाने के लिए हम सबको मन लगाकर कार्य करना पड़ेगा अंग्रेजी के अंधभक्त बने रहने से हिन्दी के अस्तित्व समाप्त होने का खतरा मण्डरा रहा है। उन्होंने हिन्दी को दिकर आजीवन आत्मसात करने का आव्हान किवस सप्ताह अथवा साल में न समेट या।

इस अवसर पर रायपुर से आमंत्रित संस्कृत के पूर्व प्राध्यापक एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री व्ही. पार्थसारथी राव, ने कहा कि अंग्रेजी भाषा एक ऐसी खिड़की है जिससे हम पाश्चात्य सभ्यता के स्वरूप को देख सकते हैं, किन्तु हिन्दी हमारे घर हिन्दुस्तान का संस्कार एवं संस्कृति का द्योतक है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश के लिए स्वतंत्र राष्ट्र, स्वतंत्र ध्वज, स्वतंत्र सरकार एवं स्वतंत्र भाषा का होना आवश्यक है। हिन्दी में सर्वधर्म सम्भाव के गुण व्याप्त है जो देश को एक सूत्र में बांधने का कार्य करती है। उन्होंने भारत के प्राख्यात शिक्षाविदों, गुरूओं, स्वतंत्रता सग्राम सेनानियों का हिन्दी के सम्मान में योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारी संस्कृति माता, मातृभाषा एवं मातृभूमि के सम्मुख नतमस्तक होने की है अतः हमारा यह प्रयास हो कि हम अपनी भाषा के विकास के लिए सदैव आगे बढ़कर कार्य करें।

कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री एस.आर.जायवाल ने कहा कि हिन्दी के प्रगामी प्रयोग हेतु मन में संकल्प होना चाहिए। हिन्दी को आगे लाने के लिए अंग्रेजी को उन पर हावी नहीं होने देना है तथा मन से हिन्दी में कार्य करने संबंधी हीन भावना का त्याग करना आवश्यक है। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन वरि.कल्याण अधिकारी एवं हिन्दी परिषद के उपाध्यक्ष श्री एस.पी.बारले ने किया। विभिन्न प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि ने पुरस्कृत किया।

कार्यक्रम में प्रश्नमंच श्री व्ही.के.यादव द्वारा प्रस्तुत किया गया कार्यक्रम का संचालन हिन्दी परिषद के सचिव श्री श्रीदत्त शुक्ल ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री हरि नायडू, के.के.त्रिपाठी, एस.के. सोनी, श्री महंत शर्मा, श्री जे.के. शांडिल्य एवं हिन्दी परिषद के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा।

कोरबा पूर्व में ओजोन परत संरक्षण दिवस मनाया गया

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कम्पनी, कोरबा पूर्व में ओजोन परत संरक्षण दिवस का आयोजन श्री.सीपी.पाण्डेय, कार्यपालक निदेशक के मार्गदर्शन श्री एस.आर.जायसवाल के मुख्य आतिथ्य,एवं ए.के.मोहरीकर, वरि.मुख्य मुख्य रसायनज्ञ की अध्यक्षता तथा हिन्दी परिषद के अध्यक्ष श्री बी. बी. पी. मोदी के विशिष्ठ आतिथ्य में प्रशिक्षण संस्थान सभागृह में किया गया। इस अवसर पर ओजोन परत संरक्षण के महत्व विषय पर हिन्दी में नारा एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन कर प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर श्री ए.के.मोहरीकर, वरि.मुख्य मुख्य रसायनज्ञ ने ओजान परत संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुये कहा कि पृथ्वी की सतह पर ओजोन की उपलब्धता नुकसानदायक है किन्तु स्टेटोस्फियर में ओजोन की परत लाभदायक है जो पराबैगनी किरणों को रोकती हैं उन्होने कहा कि मानव निर्मित गैसों से ओजोन परत को नुकसान पंहुच रहा है और यही ग्लोबल वार्मिग का कारण भी है। उन्हाने बताया कि प्रत्येक दशक में चार प्रतिशत ओजान कम हो रहा है। ओजान परत की संरक्षा के लिये पॉलीथीन, रबर, टायर आदि जलाना बंद कर अधिकाधिक वृक्षारोपण को महत्वपूर्ण बताया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री जायसवाल ने कहा कि ओजोन के बिना मानव जीवन संभव नही है। ओजोन परत की संरक्षा एवं ग्लोबल वार्मिंग से बचाव के लिये स्वप्रेरित होकर वृक्षारोपण करें एवं आगामी पीढ़ी के लिये पृथ्वी को बचा कर रखें। विशिष्ट अतिथि श्री मोदी ने ओजोन परत संरक्षण के महत्व पर रोचक कविता प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का संयोजन एवं आभार प्रदर्शन वरि.कल्याण अधिकारी श्री एस. पी. बारले संचालन श्री दत्त शुक्ल एवं प्रश्नमंच श्री व्ही के यादव ने प्रस्तुत किया।

आदर्शिनी महिला मण्डल के तत्वावधान में गोष्ठी का आयोजन

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कम्पनी में आदर्शिनी महिला मण्डल के तत्वावधान में 22 सितम्बर 11 स्वस्थ्य मनोवृत्ति से दिमाग की गतिशीलता पर केन्द्रित विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। आज की भागमभाग और स्पर्धापूर्ण जीवन के मध्य तनाव से घिरे मन– मस्तिक को स्वस्थ मनोवृत्ति की दशा में बनाये हुये सफलता की ओर अग्रसर हुआ जा सकता है। उक्त विचार इंजीनियर, वक्ता लेखक एवं मोटीवेटर श्री बी.एन.राव ने गोष्ठी में व्यक्त किये। गोष्ठी में महिला मण्डल की अध्यक्षा श्रीमती नीलिमा श्रीवास्तव, उपाध्यक्षा श्रीमती गुरमीत कौर, सचिव श्रीमती नीलम मेहता, सहसचिव श्रीमती रीता गुप्ता ने अतिथियों का अभिनंदन किया।

गोष्ठी में बड़ी संख्या में शामिल प्रतिभागियों को श्री राव ने बताया कि दाम्पत्य जीवन की सफलता आपसी समन्वय से सुनिश्चित होती है। पति–पत्नी एक दूसरे के पूरक होते हैं अतः छोटे बड़े जैसे भावना से परे सामंजस्य के साथ चलना परिवार को सुखमय बनाता है। वर्तमान में अध्ययन के क्षेत्र में बच्चों के तनाव को दूर करने के संबंध में उन्होंने गणित विषय की जटिलता को सरलता से समझाने की प्रक्रिया पर भी प्रकाश डालते हुये विद्यार्थियों को अध्ययन के संबंध में अनेक सुझाव दिये।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में महिला मण्डल की अध्यक्षा श्रीमती नीलिमा श्रीवास्तव ने बताया कि क्लब द्वारा अपने स्थापना काल से ही विभिन्न सांस्कृतिक, खेल–कूद एवं मनोरंजक कार्यक्रमों के साथ साथ सामाजिक उत्थान हेतु अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। आदर्शिनी महिला क्लब द्वारा विभिन्न संस्थाओं को सहयोग भी प्रदान किया जाता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आगे भी पॉवर कम्पनी की महिलाओं के हितार्थ कार्यक्रम संपन्न किये जाते रहेगें।

राजनांदगांव क्षेत्र में हिन्दी दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

14 सितंबर 2011 हिन्दी दिवस के अवसर पर राजनांदगांव क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रशासनिक भवन में हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिन्दी भाषा से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताओं का अयोजन किया जिसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। श्री शारदा सिंह, मुख्य अभियंता द्वारा सर्वप्रथम विद्या की देवी मां सरस्वती पर माल्यार्पण कर एवं द्वीप प्रज्जविलत किया गया। उन्होंने हिन्दी की महत्ता पर एवं प्रशासनिक कार्यो में अधिक से अधिक हिन्दी के उपयोग के संबंध में अपने विचार व्यक्त किये।

हिन्दी श्रुतिलेख, पर्यायवाची, अनुवाद एवं अनुवाद –विलाम प्रतियोगिता में तदानुसार प्रथम स्थान श्री धानेश्वर प्रसाद साहु, श्रीमती आभा श्रीवास्तव एवं श्री सुनील कुमार वर्मा क्रमशः दितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किये। इस प्रकार तत्कालिक भाषण प्रतियोगिता में श्री पी.एस.यादव, अधीक्षण अभियंता ''प्रथम'' श्रीमती ए. हेमलता राव, ''द्वितीय'' एवं श्री प्रशांत तिवारी ''तृतीय'' स्थान पर रहे। निबंध प्रतियोगिता में श्री नरेन्द्र साहू ''प्रथम'' प्रशांत तिवारी ''द्वितीय'' एवं श्रीमती ए. हेमलता राव ''तृतीय'' स्थान पर रही। हिन्दी वर्णमाला (व्यंजन) प्रतियोगिता में 3 प्रतिभागी क्रमशः श्रीमती आभा श्रीवास्तव, श्रीमती सरस्वती अय्यर एवं श्रीमती ए.हेमलता राव तीनों ही प्रथम स्थान पर रहें।

कार्यक्रम के दौरान श्री शारदा सिंह मुख्य अभियंता, श्री एम.जामुलकर अति. मुख्य अभियंता, श्री पी.एस.यादव अधीक्षण अभियंता, श्री बी.पी.गुप्ता कार्यपालन अभियंता, श्री बी.के.कुमरे कार्यपालन अभियंता, श्री एन.के.सक्सेना कार्यपालन अभियंता उपस्थित रहे। सभी ने हिन्दी की उपयोगिता एवं सार्थकता पर अपने–अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का सफल संचालन कल्याण अधिकारी श्री अशोक पिल्लई के द्वारा किया गया।

अम्बिकापुर क्षेत्रीय मुख्यालय में अभियंता दिवस का आयोजन

अम्बिकापुर मुख्यालय में अभियंता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। महान अभियंता सर मोक्षगुण्डम विश्वेश्वरैया के जन्मदिवस 15 सितम्बर 2011) के अवसर पर उन्हे याद करते हुये कंपनी के अभियंताओं ने क्षेत्रीय मुख्यालय में मुख्य अभियंता श्री आई.एन.कैथवास के नेतृत्व में श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस अवसर पर श्री कैथवास द्वारा सर मोक्षगुण्डम विश्वेश्वरैया के आदर्शो एवं उपलब्धियों की जानकारी देते हुये उपस्थित समस्त अभियंताओं से उनके आदर्शो पर चलने का आव्हान किया। इस अवसर पर अभियंता सर्वश्री आर.के.मिंज, आवेदन कुजुर, बी.डी. सोनी, वाई.के.मनहर, ए.लकड़ा, एस.के.शर्मा एवं अन्य अभियंतागण उपस्थित रहे।

इस दौरान अभियंताओं के बीच कैरम / शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कैरम में विजेता श्री एस.पी.कुमार, सहायक अभियंता एवं उपविजेता श्री आई.एन.कैथवास, मुख्य अभियंता रहे। शतरंज प्रतियोगिता में विजेता श्री आर.के.मिंज, अधीक्षण अभियंता एवं उपविजेता श्री हेमचरण पटेल, कनिष्ठ यंत्री रहे।

सम्पूर्ण कार्यकम के दौरान श्री राजेश कुमार, कल्याण अधिकारी, श्री विकास श्रीवास्तव, प्रशासनिक अधिकारी एवं श्री अनिल कुमार त्रिपाठी, कार्या.सहा.श्रेणी–दो का सहयोग सराहनीय रहा।

परिचयावली... श्री शारदा सिंह (मुख्य अभियंता, राजनांदगांव क्षेत्र)

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित राजनांदगांव के मुख्य अभियंता श्री शारदा सिंह का जन्म 19 अप्रेल 1954 को रींवा में हुआ । अपनी माता श्रीमती हीरादेवी सिंह एवं पिता श्री ए. पी.सिंह से मृदुभाषिता एवं सुसंस्कार के संग जीवन में निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा आपको मिली । शांत स्वभाव के धनी श्री सिंह अपने पिता को आदर्श मानते है । आपने सन् 1970 में मार्तंड हायर सेकेन्डरी स्कूल रींवा से हायर सेकण्डरी की परीक्षा उत्तीर्ण की, तत्पश्चात् सन् 1976 में जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज से इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि आपने प्राप्त की । आपने अपनी सेवा की शुरूआत ग्रेजुएट ट्रेनी के रूप में वर्ष 1977 में पूर्ववर्ती विद्युत मण्डल मुख्यालय जबलपुर से की । प्रशिक्षण पश्चात् सहायक अभियंता के पद पर सक्ति, रायगढ़, चांपा, पेन्ड्रा रोड एवं खरसिया में अपनी सेवायें दी। वर्ष 1993 में मण्डल ने आपको पदोन्नत करते हुये कार्यपालन अभियंता कार्यालय कार्यपालक निदेशक (संचा0/संधा0) जबलपुर में पदस्थ किया । तत्पश्चात् कार्यपालन अभियंता के पद पर रहते हुये आपने रायगढ़, बिलासपुर एवं पेन्ड्रा रोड में अपनी सफलतम सेवायें दी ।

आगे जून 2006 में अधीक्षण अभियंता के पद पर पदोन्नत होने के पश्चात् निर्माण वृत्त बिलासपुर एवं चांपा–जांजगीर में आपकी पदस्थापना की गई । इसी क्रम में आगे आपको अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई और आपकी पदस्थापना अंबिकापुर एवं कार्यालय कार्यपालन निदेशक (संचा0/संधा0) रायपुर में अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निवर्हन किया । आपकी कार्यक्षमता एवं दक्षता का आंकलन करते हुये विद्युत वितरण कम्पनी ने जुलाई 2011 में राजनांदगांव में मुख्य अभियंता के पद पर आपकी पदस्थापना की। तकनीकी किताबें एवं धार्मिक किताबों के अध्ययन में आपकी विशेष अभिरूचि है ।

इस तरह अब तक लगभग 34 वर्षों की सेवायात्रा को पूर्ण करते हुये मध्यप्रदेश के अलावा छत्तीसगढ़ के विद्युत विकास में आपका उल्लेखनीय योगदान रहा है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह में "हिन्दी सप्ताह" सम्पन्न

हिन्दी हमारी राजभाषा है अतः हमें दैनंदिनी के प्रशासनिक कार्यो में हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करना चाहिये। प्रचलित शब्दों का प्रयोग देवनागरी लिपि में कर हम हिन्दी में तकनीकी कार्य भी सहजतापूर्वक संपादित कर सकते है। उक्त आशय के विचार श्री सी.पी.पाण्डे, कार्यपालक निदेशक (उत्पादन) ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह में हिन्दी सप्ताह के अंतर्गत व्यक्त किए 20 सितम्बर 2011 को प्रशासनिक भवन में आयोजित समापन समारोह व पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में श्री पाण्डे मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर कारखाना प्रबंधक व अति.मुख्य अभियंता (संचारण/संधारण) श्री डी.महतो ने अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में हिन्दी की उपादेयता पर प्रकाश डालते हुए हिन्दी में अधिकाधिक कार्य करने का आव्हान किया। समारोह के विशिष्ट अतिथि डॉ.जी.पी.दुबे, मुख्य रसायनज्ञ ने कहा कि हिन्दी की सबसे बड़ी विशेषता इसका सरल, सुबोध व वैज्ञानिक होना है। इसके पूर्व, श्री जी. खण्डेलवाल, वरिष्ठ कल्याण अधिकारी द्वारा कार्यक्रम का संचालन करते हुये हिन्दी सप्ताह के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के संबंध में प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया व संयंत्र में हिन्दी परिषद के पुनर्गठन की जानकारी प्रदान की। संयंत्र में हिन्दी में सर्वाधिक कार्य करने वाले कार्यालय सुरक्षा विभाग को मुख्य अतिथि द्वारा चलित मंजूषा से पुरस्कृत किया गया। साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं हेतु पुरस्कार प्रदान किये गये। हिन्दी परिषद के निवर्तमान सचिव श्री देवेश दुबे, वरिष्ठ रसायनज्ञ ने हिन्दी भाषा से संबंधित प्रश्न मंच का संचालन किया गया।

हिन्दी सप्ताह के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं के नाम इस प्रकार हैं– शुद्धलेखन प्रतियोगिता में श्री आर.के.महतो, कार्या. सहा.श्रेणी–एक, श्रीमती लखनी साहू, वरि. शीघ्रलेखक, श्री रमाकांत दुबे, कार्या.सहायक श्रेणी– एक नारा प्रतियोगिता में श्री ए.के.अजंय, कार्या.सहा. श्रेणी' दो, श्री संजय कुमार जैन, पाली रसायनज्ञ (प्रशिक्षु), श्री शैलेष गुप्ता, सहायक यंत्री (संचालन) ठेका श्रमिक वर्ग में श्री राजकुमार केवट, श्री गौरीशंकर साहू कविता प्रतियोगिता में श्री आर.के.महतो, श्री रणधीर कपूर, श्री संजय कुमार जैन क्रमशः प्रथम, द्वितीय,एवं तृतीय स्थान पर रहे। प्रतियोगिता का विशेष पुरस्कार श्री प्रदीप कुमार छत्तर, ठेका कर्मी को प्रदान किया गया। इसी तरह, वर्ग पहली प्रतियोगिता में श्रीमती लखनी साहू, श्री जयंत कुमार जैन, कार्यपालन यंत्री, श्री रमाकांत दुबे हिन्दी प्रशासनिक कार्य–प्रणाली प्रतियोगिता में श्रीमती लखनी साहू, श्री मंजीत सिंह, कार्यपालन यंत्री व श्री एन.सी.जैन, अति. कार्या.सहा.श्रेणी–एक क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे।

छत्तीसगढ़ से सॉफ्टबाल की एक मात्र पहली अंतरराष्ट्रीय खिलाडी बनी– कु. कविता साहू

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर होल्डिंग कंपनी डंगनिया मुख्यालय में सुरक्षा सैनिक के पद पर पदस्थ श्री सी.एल.साहू की सुपुत्री कु. कविता साहू का चयन ताइवान में 21 से 27 सितम्बर तक आयोजित 10वीं एशियन सॉफ्ट बाल प्रतियोगिता के लिए हुआ। कविता साहू छत्तीसगढ़ से सॉफ्टबाल की एक मात्र पहली अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी है। जिनका चयन चंडीगढ़ में आयोजित 32 वी सीनियर राष्ट्रीय सॉफ्ट बाल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया। 17 सदस्यीय भारतीय टीम को ताइवान में प्रदर्शन करने हेतु चार प्रशिक्षण शिविरों से गुजरना पड़ा जो कि इंदौर, किन्नुर (हिमाचल प्रदेश), अनंतपुर (आंध्रप्रदेश) और गाजियाबाद में संपन्न हुआ। भारतीय टीम में शामिल प्रदेश से एक मात्र कविता साहू को छत्तीसगढ़ प्रदेश सॉफ्टबाल संघ के अध्यक्ष श्री एस. पी.डोंगावकर, महासचिव श्री ओ.पी.शर्मा, सचिव श्रीमती संजना राज, कोच श्री टी.एन.रेड्डी एवं समस्त सॉफ्टबाल परिवार ने बधाई एवं शुभकामनांए दी है। कविता साहू महंत लक्ष्मीनाराण कॉलेज की बी.कॉम. तृतीय वर्ष की छात्रा है, महंत कॉलेज के प्राचार्य डॉ. देवाशीष मुखर्जी और खेल शिक्षक श्री विजय शर्मा ने भी कविता को बधाई और शुभकामनांए भेजी है। कविता साहू 2004 से सॉफ्टबाल खेल रही हैं, उन्होंने दो सबजूनियर, तीन जूनियर, तीन नेशनल स्कूल गेम्स, चार सीनियर ओपन नेशनल, दो सीनियर वेस्ट जोन, दो फेडरेशन कप और दो ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिताओं में भग ले चुकी है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के लिए 52 वीं नेशनल स्कूल गेम्स में कांस्य पदक और 3री सीनियर वेस्ट जोन में कांस्य पदक भी जीते है। उक्त एशियन चैम्पियनशिप ऑफिसियल सॉफ्टबाल प्रतियोगिता है। साथ ही भारतीय टीम को भारत सरकार से मान्यता भी मिल गई है।

हमारे गौरव

कु. साक्षी देशमुख

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी दुर्ग बघेरा जोन में कार्यरत परी.सहा.श्रेणी–एक श्री अजय देशमुख की सुपुत्री कु. साक्षी ने दिल्ली में आयोजित 25 वीं राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता अंडर–13 (बालक, बालिका) वर्ग में छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए 5 अंक प्राप्त कर शानदार प्रदर्शन किया। कु. साक्षी शतरंज खेल के साथ–साथ पढ़ाई में भी अव्वल है। बधाई.

ऋचा अग्रवाल

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी भिलाई में गुढ़ियारी में कार्यरत श्री राजेश अग्रवाल कार्यालय सहायक श्रेणी–दो की सुपुत्री कु. ऋचा अग्रवाल ने वर्ष 2010–2011 में पंडित जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कालेज रायपुर एमबीबीएस. प्रथम वर्ष में गोल्ड मेटल प्राप्त किया है। बधाई.....

डी.नितिषा

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत पारेषण कंपनी भिलाई में कार्यरत श्री डी. मल्लेश निज सहायक की सुपुत्री कु. डी. नितिशा लायन्स क्लब इंटरनेशनल द्वारा आयोजित गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाकर **"पिनाकल आइडल"** 2011–12 बनी। पढ़ाई व गायन में विशेष प्रतिभावान डी. नितिषा खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय से विशारद् हासिल की है, वर्तमान में बी.ई.(आई.टी) में द्वितीय वर्ष में अध्ययनरत है। इन्हें शंकराचार्य शिक्षण समूह द्वारा आयोजित एकल गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर **"वाइस आफ शंकरा"** 2011 होने का भी गौरव प्राप्त है। बधाई...............

ज्ञानपुरूष राधाकृष्णन

'तूफान'' में फंसे जहाज के लिए जिस प्रकार दीपस्तंभ दिशा दर्शाता है, ठीक उसी प्रकार डॉ. राधाकृष्णन के विचार हमें सदैव दिशा दर्शाते रहेंगे

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन भारत के राष्ट्रपति, दार्शनिक एवं शिक्षाविद थे। वह जिस पद पर भी रहे अपनी विशेष कार्यशैली से उस पद की गरिमा को बढ़ाया। एक अध्यापक से उन्होंने अपने जीवन के सफर का आरंभ किया और भारत के राष्ट्रपति पद पर आसीन हुए। लेखक वक्ता एवं समीक्षक के तौर पर भी उन्हें सदैव याद किया जाएगा।

05 सितम्बर 1888 को आंध्र प्रदेश के तिरूपति जिले के एक छोटे से गांव तिरूतणी में उनका जन्म हुआ। यह गांव आज भी मंदिरों और यात्राओं के लिए प्रसिद्ध है। इसी गांव की पाठशाला में उन्होंने प्राथमिक शिक्षा प्राप्त की, 1903 में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा उत्त्तीर्ण की। तत्पश्चात मद्रास क्रिश्चन कॉलेज से बी.ए. की उपाधि ग्रहण की। पढ़ाई के दौरान ही हिन्दू रीति के अनुसार शिवाकामू अम्मा नाम युवती से उनका विवाह कर दिया गया। लेकिन उन्होंने शिक्षा जारी रखी। दर्शनशास्त्र में उन्होंने एम.ए. की उपाधि ली और ''इथिक्स इन वेदांता'' विषय पर अपना थिसिस तैयार किया और पीएच.डी की डिग्री प्राप्त की।

उन्हे मद्रास के प्रेसीडेन्सी कॉलेज में दर्शनशास्त्र के अध्यापक पद का न्यौता प्राप्त हुआ, जो उन्होंने प्रसन्नता से स्वीकार किया। 1921 में मैसूर विश्वविद्यालय की स्थापना हुई राधाकृष्णन इस विश्वविद्यालय में दर्शनशास्त्र के पहले विभाग प्रमुख नियुक्त किए गए। 1925 के बीच उन्हें विलायत और अमेरिका से भारतीय संस्कृति पर व्याख्यान देने के निमंत्रण प्राप्त हुए। बंगाल के माहन समाज सुधारक आशुतोष मुखर्जी के आग्रह पर डॉ. राधाकृष्णन कलकता पहुंचे। यहां उन्हें ''विद्यार्थी प्रिय अध्यापक'' नाम से ख्याति मिली। 1925 में मद्रास युनिवर्सिटी ने उन्हें डी.लिट से सम्मानित किया। ''लीग ऑफ नेशन्स'' में उन्होंने 9 वर्षो तक कार्य किया। वर्षो तक वह युनेस्को से भी संबंधित रहे कलकता की ''दि रॉयल एशियाटिक सोसायटी'' के भी वह अध्यक्ष रहे। सात वर्षो तक आंध्र विश्वविद्यालय के कुलपति और कुछ वर्ष दिल्ली विश्वविद्यालय के भी कुलपति रहे। 1942 के दौरान बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्थापक पंडित मदन मोहन मालवीय के आग्रह पर उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति पद का भार संभाला। शिक्षा संबंधी कई सुधार एवं नए प्रकल्प उन्होंने उस समय देश के सामने पेश किए।

1952 से 62 तक उन्हें उपराष्ट्रपति पद के लिए मनोनित किया गया। इस कार्यकाल में चीन, हांगकांग, मंगोलिया आदि देशों का दौरा किया उनकी यात्रा ने इन देशों से मैत्रीपर्णू संबंध बनाने और मजबूत करने में बहुत योगदान प्रदान किया। 1954 में तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने भारत रत्न के खिताब से सम्मानित किया। 12 मई 1962 वह ऐतिहासिक दिन है जब डॉ. राधाकृष्णन भारत के राष्ट्रपति बने।

ड्राईवर

''कितनी बार तुम्हें कहा कि त्योहार के समय छुट्टी मत मारा करो, लेकिन तुम हो कि हर बार त्योहार के ही समय नहीं आते हो । तुम्हें क्या पता कि हमारा कितना काम रूक गया ? त्योहार की बधाई देने बेटी–दामाद के यहां जाना था, मायके तथा कई रिश्तेदारों के यहां जाना था और साहब को भी अपने बड़े साहबों के यहां जाना था। तुम्हारे नहीं आने के कारण हम कहीं नहीं जा सकें'' – मेम साहब ने कड़कदार आवाज में ड्राईवर से कहा ।

''मेम साहब, त्योहार के समय मुझे भी अपने रिश्तेदारों तथा मित्रों के यहां जाना पड़ता है। अगर सुख–दुख में मैं किसी के यहां नहीं जाऊंगा तो ऐसे अवसरों में मेरे यहां कौन आयेगा! त्योहार को जो महत्व आपके लिये है वही महत्व तो मेरे लिये भी है। अगर मैं अपने परिवार–समाज के साथ त्योहार मनाया तो इसमें बुराई क्या है ?

ड्राईवर की बात सुनकर मेम साहब तो झुंझलाकर चुप रही लेकिन साहब से नहीं रहा गया और अपने पद का रौब जमाते हुये उसने कहा – ''आईंदा छुट्टी मारोगे तो तुम्हारी हमेशा के लिये छुट्टी कर दूंगा, समझे ?''

चारों धाम

सौरभ को इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करते ही एक अच्छी कम्पनी में मैनेजर की नौकरी मिल गई। पहला वेतन मिलते ही वह घर आया और अपने माता–पिता को प्रणाम कर सीधे दादीजी से लिपट कर रूंधे गले से बोला – ''दादी, अभाव एवं अपमान की जिंदगी बहुत हो गई। तुम्हें कभी घर से बाहर निकलने और दुनिया देखने का अवसर ही नहीं मिला। अब बुढ़ापे में आराम से चारों धाम की यात्रा कर आओ। पैसे की कोई चिन्ता नहीं है, मुझे अच्छी नौकरी मिल गई है।''

''अपने चारों बेटों के यहां बारी–बारी से तीन महीने रहती हूं। जो खाने–पीने और पहनने मिल जाता है, उसी से संतुष्ट हूं। यही मेरा चारों धाम है। अब तो बस उसे पांचवें धाम जाने की इच्छा हैं, बेटा!''

''दादी, ये बोली पांचवां धाम कौन सा है'' – सौरभ ने विस्मित होकर कहा । दादी चलो – ''मुक्ति धाम''।

कमलेश सिंह बनाफर
कनि. शीघ्रलेखक
कार्या. मु.अ. पारेषण रायपुर

"खण्डा"

विभिन्न धर्मो में प्रयुक्त प्रतीक/चिन्हों के द्वारा इस जगत् की कुछ निश्चित अवधारणाओं (मान्यताओं) को प्रतिबिम्बित किया जाता है। इसी प्रकार सिक्ख धर्म में भी जो प्रतीक निर्धारित है– उसे "खण्डा" कहते है। इस प्रतीक के मध्य स्थित खण्डा के ऊपर एक वृत्त घिरा हुआ है और इस वृत्त को दो धारदार तलवारें आवरण प्रदान करती है। खण्डा प्रबल दिव्य ज्ञानयुक्त है, इसके धारदार किनारे असत्य का नाश कर देते है।

खण्डा के ऊपर स्थित वृत्त (घेरा) उस ईश्वर का बोध कराता है, जिसके अनन्त निर्माण शक्ति का कहीं कोई आदि (प्रारम्भ) या अन्त नहीं है। सिक्ख धर्म में यह वृत्त ईश्वर के साथ पूर्णतः एकाकार होकर निरन्तर ज्ञान की पूर्ण खोज का पथ (मार्ग) है।

खण्डा को आवरण प्रदान करते दोनों कृपाण "मिरी" एवं "पिरी" दो अवधारणाओं (1) लौकिक (भौतिक स्वरूप) (2) अलौकिक (दिव्य आध्यात्मिक स्वरूप) का बोध कराते है। ये कृपाण सिक्ख सिद्धान्त के गूढ़ एवं हृदय स्थल को आवरण प्रदान करते हुए प्रदर्शित करते है कि हमें समाज को व्यक्तिगत् रूप से इन दोनों ही स्तर पर सोवा देनी चाहिए।

ये दोनों कृपाण हमें व्यक्तिगत आध्यात्मिक उत्थान (विकास) और अनुग्रहपूर्ण सेवा प्रदान करने के मध्य संतुलन बनाने का संदेश देते है। हमें समाज के दीन, दुखी, वंचित, निर्धन लोगों की सेवा धर्म में दिये सिद्धान्तों के अन्तर्गत विनम्र होकर लौकिक एवं आध्यात्मिक दोनों ही स्तर पर करने की शिक्षा देते है।

ये कृपाण हमें यह चेतावनी भी देते है कि जो सिक्ख खालसा परम्परा को स्वीकार करने की उत्कृष्ट (तीव्र) इच्छा रखता है, उसे सदा अनुशासन में रहना होगा। कृपाण हथियार के रूप में धारण नहीं किया जाता बल्कि कृपाण धारण करने का लक्ष्य है कि हमें अपने स्वयं के हित से पहले समाज के प्रत्येक जरूरतमंद लोगों की सेवा हेतु एक सच्चे सिक्ख के रूप में सदा तत्पर रहना चाहिए।

खण्डा–	मिरी कृपाण–
विनम्रतापूर्वक मिरी और पिरी के मध्य निष्पक्ष सकारात्मक संतुलन, संप्रभुता	सामाजिक सेवा, न्याय, समता (बराबरी), गुरू पथ का अनुसरण।
वृत्त–	**पिरी कृपाण–**
ईश्वर की रचना, जीवन, पृथ्वी, ब्रम्हाण्ड, नाम, जगत् के अनादि जीवन का घोतक	आध्यात्मिक मार्ग, सिमरन (गुरू की स्तुति), अनुशासन, शिक्षा एवं गुरुग्रन्थ

जरनैल सिंह भाटिया
अधीक्षण अभियंता (सिविल)
छ.रा.पॉ.कम्पनी रायपुर

कविता नन्ही चिड़िया का छोटा घोसला आपसे कुछ कहता है

बिजली वाले कहते है – "बिजली बचाइये"
जल संसाधन वाले कहते है – "पानी बचाइये "
जंगल वाले कहते है – " जंगल बचाइये "
पर्यावरण वाले कहते है – " पेड़ बचाइये"
पेट्रोलियम वाले कहते है – "तेल की एक–एक बूँद बचाइये "

लेकिन जंगल में रहने वाली एक छोटी चिड़िया का घोसला कहता है –
देखिए मेरी आकृति व आयतन बस केवल इतना ही,
जिसमें एक छोटी चिड़िया आराम से रह लेती है,
न कम न ज्यादा
सच! यह छोटी सी चिड़िया कितनी बुद्धिमान है,
बिना कहे ही सबसे कहती है,
चाहत उतनी ही जितनी जरूरत है,
छोटी आवश्यकता – छोटी चाहत

नन्हीं चिड़िया का छोटा सा घोसला,
जो गागर में सागर की बोली बोल रहा

आवश्यकता चाहे बिजली की हो या पानी की
तेल, गैस या लकड़ी की
उपयोग न्यूनतम होना चाहिए
जैसी नन्हीं चिड़िया का छोटा सा घोसला

रामायण नामदेव
ऊर्जा सूचना प्रौघोगिकी केन्द्र
शेड नं.–08 छ.रा.वि.वि.कंम्पनी लिमि. डगनिया रायपुर

बॉयलर हाईड्रोलिक टेस्ट सफलतापूर्वक संपन्न

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर जनरेशन कंपनी द्वारा प्रदेश को भविष्य में भी जीरो पॉवर कट बनाये रखने हेतु 1500 मेगावॉट की तीनों विद्युत इकाईयों का निर्माण कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। इसी क्रम में जनरेशन कंपनी के इतिहास में पहली बार 500 मेगावाट की कोरबा पश्चिम ताप विद्युत विस्तार परियोजना के बॉयलर का हाईड्रोलिक टेस्ट उत्पादन कंपनी के उच्चाधिकारियों एवं राज्य शासन के मुख्य वाष्प निरीक्षक श्री एस.सी. झा की उपस्थिति में आज 23 सितम्बर 11 को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस वर्ष अत्यधिक वर्षा होने के बावजूद विपरीत परिस्थितियों में कार्य करते हुये यह मील का पत्थर निश्चित समयावधि में पूर्ण किया गया। यह जानकारी देते हुये जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक ने बताया कि हाईड्रोलिक टेस्ट नई परियोजना का एक महत्वपूर्ण कार्य होता है। इसे सितम्बर 2011 तक किया जाना सुनिश्चित किया गया था, जिसे 23 सितम्बर को ही पूर्ण करके विद्युत कर्मियों ने अपनी कार्यकुशलता का परिचय दिया है।

प्रबंध निदेशक (उत्पादन) श्री वी0के0 श्रीवास्तव ने बताया कि हाइड्रोलिक टेस्ट के सफलतापूर्वक संपन्न हो जाने के उपरांत बॉयलर लाईट–अप का कार्य भी निर्धारित समयावधि में करने हेतु उत्पादन कंपनी आशान्वित एवं संकल्पित है। इस परियोजना के सभी कार्य योजना के अनुसार सुचारू रूप से चल रहे हैं। कोरबा पश्चिम ताप विद्युत परियोजना के बायलर टरबाईन जनरेटन का कार्य बी.एच.ई.एल. तथा बी.ओ.पी. का कार्य टक्प्रो चेन्नई द्वारा किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर जनरेशन कंपनी की प्रथम 500 मेगावाट की कोरबा पश्चिम ताप विद्युत परियोजना को जून 2012 तक क्रियाशील किये जाने का लक्ष्य रखा गया है।

इसी तरह मड़वा तेन्दू भाठा परियोजना के प्रथम बॉयलर का हाइड्रोलिक टेस्ट 05 अक्टूबर 2011 को सम्पन्न किया गया। जनरेशन कंपनी के इतिहास में पहली बार 15 दिनों की अवधि में ही दूसरा हाइड्रोलिक टेस्ट का कार्य पूर्ण किया गया। इसे पूर्ण करके विद्युत कर्मियों ने उत्कृष्ट कार्यशैली का परिचय दिया है। मड़वा तेन्दूभाठा ताप विद्युत परियोजना के बायलर टरबाईन जनरेटन का कार्य बी.एच.ई.एल. द्वारा द्वारा किया जा रहा है।

इस सफलता पर छ.ग. शासन के मुख्य सचिव एवं कम्पनी के अध्यक्ष श्री पी.जॉय उम्मेन तथा ऊर्जा सचिव श्री अमन सिंह ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी है। हाइड्रोलिक टेस्ट के अवसर पर एमडी श्री श्रीवास्तव, परियोजना प्रबंधक श्री ओ0सी0 कपिला सहित उत्पादन कंपनी के अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

चिट्ठी आई है

प्रति,

सम्पादक महोदय,

संकल्प पत्रिका बहुत ही प्रभावशाली पत्रिका है। इसमें प्रकाशित समाचार, लेख से विद्युत मंडल परिवार की प्रगति एवं प्रतिभावों की जानकारी सहजता से प्राप्त हो जाती है । पत्रिका की भाषा शैली बहुत ही रोचक एवं प्रेरणादायी होती है ।जिससे जीवन में नई उमंग और उत्साह की स्थिति निर्मित होती है। पत्रिका प्रकाशन हेतु प्रबंधन की सोच सराहनीय है सेवानिवृत्ति के उपरांत संकल्प पत्रिका की प्राप्ति होती रहे तो सेवानिवृत जनों के लिए यह सुखद उपलब्धि होगी।

शिव नारायण गोमे
सेवानिवृत कल्याण अधिकारी
15/नारायणपुरा सावेर रोड, उज्जैन

प्रति,

सम्पादक महोदय,

संकल्प जुलाई – अगस्त 2011 का संस्करण पढ़ा। संकल्प के संपादकीय भी बहुत उच्च स्तर की थी तथा विद्युत कर्मियों को स्वतंत्रता दिवस पर पुरस्कृत अधिकारी – कर्मचारीगण का चित्र बहुत ही आकर्षक एवं हृदयस्पर्शी था। साथ ही मगरमच्छ को दोस्त मिला अपने आप में बहुत ही सरल–प्यार एवं सद्भावना को प्रेरित किया।

इस तरह संकल्प पत्रिका अपने आप में संपूर्ण एवं उत्कृष्ट पत्रिका है । मैं विभागीय पत्रिका की उत्तरोत्तर उन्नति एवं प्रगति की शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूं।

प्रकाश तललवार
प्रशासनिक अधिकारी
कार्या. कार्यपालक निदेशक (सु./सं.), रायपुर

सूरज मेरा

धीरे धीरे आकाश के माथे पर,
उभरता सिंदूरी बिंदिया सा
चांदी की पर्वत श्रृंखलाओं पर
सुवर्ण अबीर छिड़कता लुकता छिपता
शिशु भोला

घने जंगलो में पत्तों की झुरमुट से छन–छन कर
पहाड़ी झरने की चंचल धारा में बहता कल कल कर
नदिया की तरंगों पर लरचता
नटखट छबि छैला

संयमित शांत सीधा सरल कर्मठ
प्रचंड प्रबुद्ध प्रबल दमकता
चराचरा को निर्देशित करता
प्रकृति को पोषित पुष्पित कर
जन–जन को हर्षित संतोषित करता
देखो तो आकाश की बाहों में
चमकता दर्पण सा
गर्वित शोला

धीरे–धीरे सुरमई उजाले में
लाली बिखेरता
रंगीन मेघों की छटा लूटाता
मेरी आंखों की समंदर में
माथे की बिंदिया में
अंर्तमन की तरंगों में बसा है
ये सूरज मेरा।

संध्या श्रीवास्तव कार्या.सहा. श्रेणी–1
कार्या. अधीक्षण यंत्री (नगर वृत्त)
छ.रा.वि.वि.क. मर्या, दुर्ग

एहसास

ना जाने कितनी बार तुम्हारा दिल दुखाया होगा,
ना जाने कैसी–कैसी बातों से तुम्हें सताया होगा,

मेरी किसी शरारत पर जब तुमने मार लगाई होगी,
मुझे यकीं है तुम्हारी भी ऑखें भर आई होगी।

उंगली थमा मुझे जब चलना सिखाया होगा,
ना जाने किन–किन ठोकरों से मुझे बचाया होगा,

मेरे बस्ते में किताबें रख जब "स्कूल" में छोड़ा होगा,
मुझे यकी है तुमने अपने दिल को मुश्किल से रोका होगा।

खाने – पीने के मेरे नखरे पर जब मुझे समझाया होगा,
न जाने किस–किस लालच से मुझे रिझाया होगा,

मेरे बड़े हो जाने पर जब "कॉलेज" में भेजी होगी,
मुझे यकीं है तुमको लाखों चिंता घेरी होगी।

कम "नंबर" लाने पर जब डांट लगाई होगी,
ना जाने क्या–क्या फिक्रें तुम्हारे मन में आई होगी,

मेरी शादी करवाई जब तुम कितना रोई होगी,
मुझे यकीं है खुशी तुम्हारी मुझसे दुगुनी होगी।

मुझे तेरे दर्द और प्रेम का एहसास तब हुआ,
मुझमें नए जीवन का संचार जब हुआ,

अब मैं तुमसे और भी प्यार करने लगी हूँ,
"मॉ"!!!
"मैं आज मॉ बनी हूँ"।

विकास श्रीवास्तव
प्रशासनिक अधिकारी
कार्या. अधीक्षण अभियंता (अ.वृ.) छ.रा.वि.वि.कं.म. अम्बिकापुर

दीपोत्सव पर वितरण कम्पनी के अति. महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष निर्मित खूबसूरत रंगोली

(रचनाकार : प्रगति, मल्लिका, सुरेखा, हेमपुष्पा, सुशीला)